आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 247 | उज्जैन, रविवार 27 जुलाई 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

लाड़ली बहना योजना की राशि में होगी चरणबद्ध वृद्धि-मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मातृशक्ति उत्सव के अंतर्गत महिला सम्मेलन को किया संबोधित

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारी सरकार महिलाओं की आर्थिक प्रगति के साथ सामाजिक समरसता और सभी की अधिकार सम्पन्नता के लिए सामाजिक रचना के ताने-बाने में सभी स्तर पर आवश्यक योगदान दे रही है। इसी का परिणाम है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की मंशा के अनुरूप किसान, युवा, गरीब कल्याण और महिला सशक्तिकरण के लिए विभिन्न योजनाएं और कार्यक्रम संचालित हैं। हमारी संस्कृति में देश के लिए मातृत्व भाव विद्यमान है, हम सब भारत माता पर सर्वस्व न्यौछावर करने के लिए सदैव तत्पर हैं। आज का मातृशक्ति सम्मेलन- माताओं-बहनों के प्रति सनातन संस्कृति के अनुरूप अनन्य श्रद्धा-स्नेह-प्रेम और सम्मान का प्रकटीकरण है। भारत की कुटुम्ब या परिवार परम्परा हमारी संस्कृति को समृद्ध और सशक्त बनाती है। परिवार परम्परा का आधार मातृशक्ति ही है। बेटियां एक ही नहीं दो परिवारों का उद्धार करती हैं। बहन-बेटियों के प्रति इस सम्मान के परिणामस्वरूप ही प्रदेश में ÷लाड़ली बहना योजना'' आरंभ की गई। सावन के महीने में लाड़ली बहनों के खाते में 1250 रूपए के साथ 250 रूपए अतिरिक्त रूप से आने वाले हैं। यह बहन-बेटियों प्रति हमारी सरकार का आदर और स्नेह है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को सतना जिले के सिंहपुर में आयोजित मातृशक्ति उत्सव के अंतर्गत आयोजित महिला सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

प्रदेश की सभी बहनें हमारा मान हैं, अभिमान हैं मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लाड़ली बहना योजना के अंतर्गत बहनों को जारी की जाने वाली राशि में चरणबद्ध रूप से वृद्धि होगी और वर्ष 2028 तक बहनों को तीन हजार रूपए प्रतिमाह उपलब्ध कराए जाएंगे। योजना के अंतर्गत महिला सशक्तिकरण और उनके कल्याण के लिए 1500 करोड़ रूपए से अधिक प्रतिमाह अंतरित किए जा रहे हैं। प्रदेश की सभी बहनें हमारा मान हैं, अभिमान हैं। इनके मान-सम्मान और कल्याण के लिए हम कोई कसर नहीं रखेंगे।

हर दो में एक भारतीय कर रहा स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म का उपयोग, रिपोर्ट में हुए हैरान करने वाले खुलासे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में स्ट्रीमिंग प्लेटफार्म पर अश्लील कंटेंट के बढ़ते भार मामलों को लेकर सरकार ने कई ओटीटी प्लेटफार्मों पर प्रतिबंध लगाया है। हालांकि, लोकल सर्कल्स द्वारा किए गए एक सर्वेक्षण में यह सामने आया है कि जमीनी स्तर पर बदलाव लाने के लिए अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है।

इस सर्वेक्षण में भारत के 329 जिलों के लोगों से जानकारी जुटाई गई जिसमें पाया गया कि हर दो में से एक भारतीय कंटेंट सुनने या देखने के लिए स्ट्रीमिंग प्लेटफार्म का उपयोग कर रहा है।

सामने आई ये जानकारियां- सर्वेक्षण में ये भी पाया गया कि विभिन्न भाषाओं में कंटेंट उपलब्ध कराने वाले कई ऑडियो और वीडियो प्लेटफॉर्म के कारण, दो में से एक भारतीय स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म का उपयोग कर रहा है।

एक सर्वेक्षण के दौरान 53 प्रतिशत लोगों ने कहा कि वे स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर ज्यादा कंटेंट देखते हैं। वहीं, 46 प्रतिशत लोगों ने कहा कि वह स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर कंटेंट नहीं देखते हैं। इसके अलावा एक प्रतिशत लोगों ने कहा कि वह इसका जवाब नहीं जानते।

मेरे दो ही बच्चे थे, भगवान मुझे भी उठा लेता; झालावाड़ हादसे पर बोली रोती-बिलखती मां

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान के झालावाड़ में एक दर्दनाक घटना घटी थी। स्कूल की बिल्डिंग का एक हिस्सा गिरने के बाद मलबे के नीचे 35 बच्चे दब गए थे। इस घटना में 28 बच्चे घायल हो गए और सात मासूमों की मौत हो गई।

यह घटना मीना और कान्हा की मां के लिए बहुत बुरा सपना साबित हुआ है। जिस घर में ये दोनों बच्चे कुछ दिनों पहले तक हंसते-खेलते और अपनी मां से जिद करते थे, वो आंगन आज गहरे सन्नाटे में डूब गया है।

मां ने बयां किया अपना दर्द- मां के मुंह से सिर्फ यही निकल रहा है- मेरे तो दो ही बच्चे थे...एक बेटा और एक बेटी और अब दोनों ही चले गए। अब घर सूना है...आंगन सूना है। भगवान मुझे ही उठा लेता...बच्चों को बचा लेता।

यह मां अब निःशब्द है और आंसू रूक नहीं रहे हैं। शुक्रवार को स्कूल हादसे में अपने दोनों बच्चों को खोने के बाद इस मां पर जो बित रही है उसकी कल्पना करना भी बहुत मुश्किल है।

देश में बनेंगे 200 से अधिक डे-केयर कैंसर सेंटर, एक की लागत 1.5 करोड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय स्वास्थ्य राज्यमंत्री प्रतापराव जाधव ने शुक्रवार को लोकसभा में बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 के लिए देशभर में 200 से अधिक डे-केयर कैंसर सेंटर (डीसीसीसी) स्थापित करने को मंजूरी दी गई है। इनमें आंध्र प्रदेश में 14 सेंटर शामिल हैं।

राज्यमंत्री ने एक लिखित उत्तर में बताया कि ज्यादा मरीजों वाले जिलों को प्राथमिकता दी गई है। राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों ने इस संबंध में प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए थे और संसाधनों का अधिकतम उपयोग करने एवं दोहराव से बचने के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम समन्वय समिति (एनपीसीसी) ने उन्हें अंतिम रूप दिया।

जिला अस्पतालों में होगी स्थापना- जिला अस्पतालों में स्थान और लॉजिस्टिक्स की उपलब्धता के अनुसार इन सेंटरों की स्थापना की जाएगी। हालांकि व्यवहार्यता और राज्य के प्रस्तावों के आधार पर अन्य सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर भी इन सेंटरों की स्थापना की जा सकती है। एक सेंटर की स्थापना पर लगभग 1.49 करोड़ रुपये तक की लागत आ सकती है।

वहीं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने एक प्रश्न के लिखित जवाब में बताया कि कोविड टीकाकरण का दिल के दौरे के जोखिम पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। आईसीएमआर के एक अध्ययन में पाया गया है कि कोविड टीकाकरण से युवा वयस्कों में अचानक होने वाली मौतों का जोखिम नहीं बढ़ा है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि दिल के दौरे के मामलों से संबंधित डाटा केंद्रीय स्तर पर नहीं रखा जाता।

मुझे जूतों से मारा..., दिल्ली में भिड़े कर्नाटक के सीएम और डिप्टी सीएम के सहयोगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के बीच चल रही तकरार की आंच अब देश की राजधानी तक पहुंच गई है। इसकी गूंज नई दिल्ली में स्थित कर्नाटक भवन में भी सुनाई देने लगी है, जहां दोनों नेताओं के सहयोगी आपस में भिड़ गए। मामला इतना बढ़ा कि शिकायत दर्ज करवाने की नौबत आ गई।

यह लड़ाई सीएम और डिप्टी सीएम के स्पेशल ड्यूटी ऑफिसर के बीच देखने को मिली। सीएम के SDO सी मोहन कुमार और डिप्टी सीएम के SDO एच. अंजनेय कर्नाटक भवन में एक-दूसरे से भिड़ गए।

अंजनेय ने मोहन कुमार के खिलाफ की शिकायत- यह मामला तब और भी ज्यादा बढ़ गया जब मोहन कुमार अंजनेय पर चिल्लाने लगे और उन्हें मारने तक की धमकी दे डाली। इस दौरान कर्नाटक सरकार के कई कर्मचारी भी मौके पर मौजूद थे। अंजनेय ने अपने पत्र में दावा किया है कि इस पूरी घटना के जिम्मेदार मोहन कुमार हैं।

अंजनेय ने अपने शिकायत में लिख- मुझे जूतों से मारा गया। इससे मेरे सम्मान को गहरी ठेस पहुंची है। मोहन कुमार के खिलाफ आपराधिक मामला चलाकर मुझे न्याय दिया जाए। मैं मोहन कुमार के खिलाफ विभागीय जांच की मांग करता हूं।

क्या है पूरा मामला- कर्नाटक भवन के अधिकारियों के अनुसार, दोनों के बीच पहले जुबानी जंग शुरू हुई थी। दरअसल एक महिला कर्मचारी ने अंजनेय पर बदसलूकी से बात करने का इल्जाम लगाया था।

डिवाइडर से बचने के चक्कर में ट्रक से टकराई कार, दो DSP की चली गई जान

नई दिल्ली (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश खुफिया विभाग के दो पुलिस उपाधीक्षकों (डीएसपी) की शनिवार (26 जुलाई, 2025) सुबह उस समय मौत हो गई जब उनकी कार एक टक्कर से बचने की कोशिश में पहले डिवाइडर से टकराई और फिर एक तेज रफ्तार ट्रक से टकरा गई। कैथापुरम गांव की सड़क पर सुबह लगभग 4:45 बजे हुई इस घटना ने पुलिस जगत में खलबली मचा दी है। मृतकों की पहचान चक्रधर राव और शांता राव के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वे एक मामले के सिलसिले में हैदराबाद जा रहे थे।

प्रधानमंत्री मोदी दुनिया के सबसे पसंदीदा ग्लोबल लीडर, सर्वे में खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीते साल हुए चुनावों के बाद लगातार तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने वाले नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता वैश्विक स्तर पर भी बनी हुई है। हाल ही में आए एक सर्वे के परिणामों से इसका खुलासा हुआ है। इस सर्वे के मुताबिक प्रधानमंत्री मोदी दुनिया के पसंदीदा ग्लोबल लीडर हैं। उन्हें 75 फीसदी से ज्यादा लोगों ने वैश्विक नेता के तौर पर चुना है।

इंडिया टुडे की एक रिपोर्ट में बताया है कि एक अमेरिकी खुफिया कंपनी मॉर्निंग कंसल्ट द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विश्व नेताओं की डेमोक्रेटिक लीडर अप्रूवल रेटिंग की सूची में सबसे पहले स्थान पर हैं। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 45 प्रतिशत से भी कम वोट के साथ आठवें स्थान पर रहे।

मॉर्निंग कंसल्ट के सर्वे के मुताबिक भारत और भारत के बाहर पीएम मोदी की लोकप्रियता किसी भी वैश्विक नेता से ज्यादा है। आंकड़ों के मुताबिक सर्वे में भाग लेने वाले 75 फीसदी लोगों ने प्रधानमंत्री मोदी को एक लोकतांत्रिक वैश्विक नेता रूप में चुना है। वहीं 18 प्रतिशत लोगों ने इसके उलट मत दिया। इसके अलावा सात प्रतिशत लोगों में दुविधा की स्थिति दिखी।

सूची में दूसरे सबसे लोकप्रिय वैश्विक नेता दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्यांग रहे, जिन्हें 59 प्रतिशत लोगों ने पसंद किया। वहीं अर्जेंटीना के दक्षिणपंथी राष्ट्रपति जेवियर मिलीई इस सूची में तीसरे स्थान पर रहे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस सूची में आठवें स्थान पर रहे, जहां सिर्फ 44 फीसदी लोगों ने उन्हें एक लोकतांत्रिक वैश्विक नेता के रूप में पसंद किया। इसके अलावा इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी सूची में दसवें स्थान पर रहीं।

अबूझ पहेली बनते जा रहे हैं AI मॉडल, इन्हें समझना होगा बेहद मुश्किल

नई दिल्ली (एजेंसी)। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को भविष्य बताया जा रहा है। ये एक ऐसी तकनीक है जिसमें समस्या का समाधान उस तरह से करने का दावा किया जाता है, जिस तरह से इंसान कर सकता है। अब इसी के भविष्य को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

दरअसल, गूगल, ओपनएआई, मेटा और डीपमाइंड जैसी दिग्गज टेक कंपनियों से जुड़े वैज्ञानिकों ने एक चेतावनी जारी की है। इनका कहना है कि लेटेस्ट एआई मॉडल अपने थिंकिंग प्रोसेस में इतने जटिल और आत्मनिर्भर होते जा रहे हैं कि आने वाले दिनों में इन्हें समझ पाना लगभग असंभव हो जाएगा। या यूं कह लें कि एक अबूझ पहेली बन जाएंगे।

एआई को समझना होता जा रहा है मुश्किल- नेचर जर्नल में पब्लिश एक शोध पत्र में इन वैज्ञानिकों ने लिखा है कि एआई की चेन ऑफ थॉट यानी कि तर्क की श्रृंखला को अब ट्रैक करना बेहद मुश्किल होता जा रहा है। ऐसे में ये मॉडल ब्लैक बॉक्स जैसे बनते जा रहे हैं। कहने का मतलब ये है कि जो एआई सोचने समझने की क्षमता बढ़ा रहा है वो अब खुद ही ब्लैक बॉक्स बनता जा रहा है।

चेन ऑफ थॉट को ट्रैक करना होता जा रहा मुश्किल- चेन ऑफ थॉट यानी कि सोचने की तार्किक श्रृंखला। ये वो प्रक्रिया है जिसके तहत एआई किसी सवाल या कोई परेशानी का समाधान निकालने के लिए कई प्रक्रियाओं से गुजरता है। उदाहरण के लिए 15 और 15 को जोड़ा जाए तो कितना होगा? तो वो पहले सोचता है कि 15 + 15 = 30, फिर उत्तर मिलता है 30। लेकिन अब नए एआई मॉडल में ये प्रक्रिया जटिल हो गई है। वैज्ञानिकों को समझ नहीं आ रहा है कि कोई मॉडल जवाब देने के लिए किन प्रक्रियाओं से गुजरा है। इसी वजह से नए एआई मॉडल ब्लैक बॉक्स बनते जा रहा है और अबूझ पहेली चिंता का कारण भी है।

क्या है वैज्ञानिकों का तर्क- वैज्ञानिकों का मानना है कि जब यही समझ नहीं आएगा कि एआई इस नतीजे तक कैसे पहुंचा, तब उस पर कंट्रोल करना और उसको मॉनिटर करना बहुत ही मुश्किल होगा। इससे न केवल जवाबदेही खत्म हो जाएगी बल्कि भविष्य में ये गलत दिशा में भी जा सकता है। एक तरफ जहां जेनरेटिव एआई मॉडल विकसित किए जा रहे हैं, जो इंसानों की तरह सोचते और निर्णय करते हैं तो वहीं दूसरी तरफ वैज्ञानिकों की ये चेतावनी है, जो चिंता पैदा करती है।

इसके अलावा इन वैज्ञानिकों ने ये भी कहा कि जब एआई कोई गलती करता है तो उसे जानना बेहद जरूरी हो जाता है कि ये गलती कहां और किस लेवल पर हुई है। उदाहरण के तौर पर गलत दवाई सुझाना या फिर गलत जानकारी देना।

पाकिस्तान में एक और टिकटॉक स्टार की हत्या, शादी से इनकार किया तो जहर देकर मार डाला

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान में एक और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर की हत्या कर दी गई। टिकटॉक स्टार सुमीरा रातपूत का शव संदिग्ध हालत में पाया गया। सिंध के घोटकी जिले के बागो वाह इलाके में सुमीरा का शव मिला। बीते दिनों टिकटॉक स्टार सना यूसुफ की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक शख्स सुमीरा पर शादी का दबाव डाल रहा था। पुलिस को हत्या का शक है। सुमीरा की 15 साल की बेटी भी है। उसने कहा कि जहरीली टेबलेट्स देकर उनकी हत्या कर दी गई।

सुमीरा की बेटी भी है कॉन्टेंट क्रिएटर

बता दें कि सुमीरा की बेटी भी कॉन्टेंट क्रिएटर है। टिकटॉक पर उसके 58 हजार फॉलोअर हैं। पुलिस में इस मामले में एक शख्स को हिरासत में लिया है। हालांकि, हत्या की असली वजह अभी तक सामने नहीं आई है। घोटकी के पुलिस अधिकारी अनवर शेख ने जानकारी दी कि सुमीरा की बेटी ने एक शख्स पर अपनी मां को जहर देने का आरोप लगाया है।

पाकिस्तान में महिला सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर- पाकिस्तान में महिलाओं का सोशल मीडिया इंफ्लेंएंशर होना खतरे से खाली नहीं है। पिछले महीने 17 वर्षीय सोशल मीडिया इन्फुएंशर सना यूसुफ की उनके घर में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

सना के टिकटॉक पर 7.4 लाख और इंस्टाग्राम पर लगभग 5 लाख फॉलोअर्स थे। यह पाकिस्तान में पिछले पांच महीनों में किसी महिला सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर की हत्या का तीसरा मामला था।

अमेरिका के फैसले से हमें कोई एतराज नहीं, लेकिन...

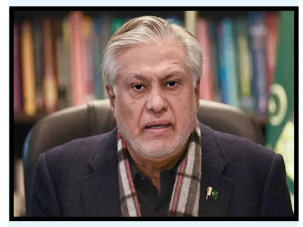

पहलगाम में आतंकी हमला करने वाले आतंकी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट को अमेरिका ने जब से विदेशी आतंकी संगठन की लिस्ट में डाला है, पाकिस्तान तभी से तिलमिलाया हुआ है। संयुक्त राष्ट्र में ञ्रक्रञ्ज का समर्थन करने के बाद अब पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने अमेरिका के फैसले का स्वागत किया है। पाक विदेश मंत्री इशाक डार ने शुक्रवार को अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन डीसी में विदेश सचिव मार्को रुबियो से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने TRF पर भी बात की।

पाक विदेश मंत्री ने क्या कहा- इशाक डार के अनुसार, ञ्रक्रञ्ज को आतंकी संगठन घोषित करना अमेरिका का अपना फैसला है और हम इसका स्वागत करते हैं। अगर अमेरिका के पास सबूत हैं कि ञ्रक्रञ्ज आतंकी गतिविधियों में शामिल है, तो बिल्कुल वो ऐसा कर सकते हैं।

इशाक डार ने कहा- TRF को लश्कर-ए-तैयबा से जोड़ना गलत है। लश्कर को पाकिस्तान ने कई सालों पहले ही खत्म कर दिया था। लश्कर से जुड़े आतंकियों के खिलाफ मुकदमे चलाए गए, गिरफ्तार किया गया और उन्हें जेल भेजा गया। लश्कर का अब पाकिस्तान में नामोनिशान तक नहीं है।

हमास को एक और बड़ी चोट, अब इजरायल ने काउंटर-इंटेलिजेंस कमांडर किया ढेर

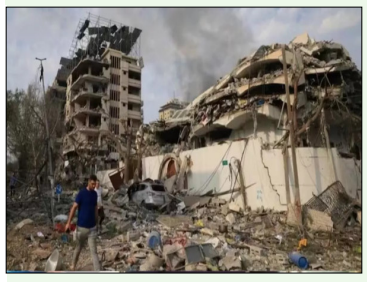

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल लगातार गाजा पर कहर बरपा रहा है। इस बीच इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) की ओर से दावा किया गया कि उत्तरी गाजा पट्टी में एक हमले में हमास के एक काउंटर-इंटेलिजेंस कमांडर को मारा गया है।

दरअसल, शुक्रवार को जारी एक बयान में आईडीएफ की ओर से कहा गया कि हमास के जनरल सिक्योरिटी एपरेटस में काउंटर-इंटेलिजेंस निदेशालय के प्रमुख अमजद मुहम्मद हसन शायर मार गिराया गया है।

इजरायली सेना ने जारी किए बयान में क्या कहा- जानकारी दें कि इजरायली सेना की ओर से जारी बयान में कहा गया कि काउंटर-इंटेलिजेंस निदेशालय हमास के वरिष्ठ अधिकारियों की सुरक्षा करता था। बयान में कहा गया है कि गुरुवार को जमीनी बलों के सहयोग से इजरायली वायु सेना ने गाजा पट्टी में दर्जनों सैन्य ठिकानों पर हमला किया। इस बीच फलीस्तीन की आधिकारिक समाचार एजेंसी ने बताया कि शुक्रवार को भी इजरायल के लड़ाकू विमानों ने शुक्रवार को गाजा शहर में विस्थापित नागरिकों को शरण देने वाले एक स्कूल पर हमला किया।

ऐसे तो Europe खत्म हो जाएगा..., यूरोपीय देशों को चेतावनी देते हुए ऐसा क्यों बोले डोनाल्ड ट्रंप?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में अवैध शरणार्थियों पर शिकंजा कसने के बाद अब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नजर यूरोप पर है। उन्होंने यूरोपीय देशों को अप्रवासन रोकने की सलाह दी है। साथ ही ट्रंप ने इसे भयानक आक्रमण करार दिया है।

स्कॉटलैंड के एअर फोर्स स्टेशन पर मीडिया से बातचीत के दौरान ट्रंप ने यूरोपीय देशों को हिदायत देते हुए कहा कि आपको यह भयानक आक्रमण रोकने की सख्त जरूरत है।

ट्रंप ने क्या कहा- ट्रंप के अनुसार, अप्रवासन पर आप सभी को एक साथ एक्शन लेना चाहिए। वरना यूरोप खत्म हो जाएगा। कई देशों के लोग यूरोप में आकर बस रहे हैं। आपको यह भयानक आक्रमण रोकना होगा।

ट्रंप ने कहा-- कुछ लोग अप्रवासन नहीं रोकना चाहते हैं। मैं चाहूं तो अभी उनका नाम ले सकता हूं। मगर, मैं किसी को शर्मिंदा नहीं करना चाहता हूं। बढ़ता अप्रवासन यूरोप को खत्म कर रहा है।

अमेरिका का दिया हवाला- ट्रंप ने अमेरिका-मेक्सिको बॉर्डर बंद करने का जिक्र करते हुए कहा, आपको पता है पिछले महीने के बाद कोई हमारे देश में नहीं घुस सकता है। हमने कई अवैध प्रवासियों को देश से बाहर भी छुड़वा दिया।

यूरोप में कितने अप्रवासी- 2020 में आई संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार, यूरोप में लगभग 87 मिलियन (8 करोड़ 70 लाख) अंतरराष्ट्रीय प्रवासी रहते हैं। जनवरी में अमेरिका की सत्ता संभालने के बाद से ही ट्रंप ने अवैध प्रवासियों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया था।

ईरान के कोर्ट पर गोली और ग्रेनेड से जोरदार हमला, 9 की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान के एक कोर्ट की बिल्डिंग पर अज्ञात हमलावरों ने गोलीबारी और ग्रेनेड से हमला किया। यह हमला सिस्तान और बलूचिस्तान प्रांत की राजधानी जाहेदान में हुआ। इस हमले में 9 लोगों की मौत हो गई, जिनमें एक बच्चा भी शामिल है। हमले में 20 लोग घायल भी हुए हैं।

अज्ञात हमलावरों द्वारा कोर्ट बिल्डिंग पर हमला करने के बाद तुरंत मौके पर पहुंचकर ईरानी सुरक्षाबलों ने स्थिति को काबू में लिया। रिपोर्ट के मुताबिक, सुरक्षाबलों ने जवाबी कार्रवाई में तीन हमलावरों को मार गिराया है। अभी तक मारे गए या घायल लोगों की पहचान नहीं हो सकी है।

हमले के पीछे किसका हाथ- सेमी-ऑफिशियल समाचार एजेंसी तस्नीम ने इस हमले के पीछे जैश अल-अदल नाम के आतंकवादी संगठन का हाथ बताया है। यह संगठन ईरान के सिस्तान और पाकिस्तान के बलूचिस्तान क्षेत्र को अलग-अलग करना चाहता है।

सिस्तान और बलूचिस्तान प्रांत अफगानिस्तान और पाकिस्तान की सीमा से सटा हुआ है और वहां पहले भी कई बार हिंसक घटनाएं हो चुकी हैं। इस इलाके में सुरक्षाबलों, मादक पदार्थ तस्करों और आतंकी संगठनों के बीच झड़पें होती रहती है।

इस इलाके में रहते हैं सुन्नी मुसलमान- यह क्षेत्र ईरान के सबसे पिछड़े इलाकों में गिना जाता है और यहां के ज्यादातर लोग सुन्नी मुसलमान हैं।

जबकि, ईरान में शासन शिया धर्मगुरुओं के हाथ में है। इसी वजह से सरकार और स्थानीय लोगों के तनाव बना रहता है।

आयरलैंड अब सुरक्षित नहीं..., डबलिन में युवक पर हुए हमले के बाद छलका भारतीय का दर्द; लोगों को दी खास सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। आयरलैंड की राजधानी डबलिन में भारतीय नागरिक पर हमले के बाद एक अन्य शख्स ने भारतीयों से आयरलैंड न जाने की अपील की है। दक्ष नामक एक यूजर का कहना है कि आयरलैंड भारतीयों के लिए सुरक्षित नहीं है।

दक्ष ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए कहा, मुझे यकीन नहीं हो रहा है कि मैं यह कहूंगा, लेकिन आयरलैंड सुरक्षित नहीं है।

हादसे ने बदला नजरिया- दक्ष का कहना है कि कुछ समय पहले वो आयरलैंड को रहने के लिए सबसे बेहतरीन जगह मानते थे। मगर, हाल ही में हुए हादसे ने उनके नजरिए को बदलकर रख दिया है।

दक्ष के अनुसार, मैं घर वापस जाने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। 3 साल पहले जब मैं यहां आया तो मुझे लगा यह कमाल का देश है। मैंने यहां कई अच्छे दोस्त बनाएं, जो यहां के मूल निवासी हैं। मगर यह जगह अब दिन-ब-दिन बदतर होती जा रही है।

जर्मनी, यूके और यूएस बेहतर - दक्ष का कहना है, पहले मैं लोगों से यहां आकर रहने के लिए कहता था। यहां के ज्यादातर लोग बहुत दयालु स्वाभाव के हैं। मगर, अब यहां से बेहतर जर्मनी और युनाइटेड किंगडम हैं। अमेरिका भी इससे अच्छा है। हो सकता है आयरलैंड में समप्रदायिक लोगों की संख्या है, लेकिन अब वो खतरनाक हो गए हैं।

कानून तोड़ने पर हमेशा के लिए रद हो सकता है USA का वीजा, अमेरिकी दूतावास ने जारी की एडवाइजरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कानून तोड़ने पर अमेरिकी वीजा हमेशा के लिए रद किया जा सकता है। भारत स्थित अमेरिकी दूतावास ने शनिवार को सख्त एडवाइजरी जारी करते हुए फिर चेताया है कि अमेरिका जाकर अपराध करने या कानून का उल्लंघन करने वाले विदेशियों का वीजा रद किया जा सकता है।

अमेरिकी दूतावास ने पहले भी इसी प्रकार की एडवाइरी जारी की थी। दूतावास ने एक्स पर पोस्ट किया, अमेरिका में अपराध बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। यदि आप अमेरिका आकर कानून तोड़ते हैं, तो आपका अमेरिकी वीजा रद किया जा सकता है। आप अमेरिका लौटने के लिए जीवन भर के लिए अयोग्य हो सकते हैं।

इससे पहले 22 जुलाई को दूतावास ने पोस्ट किया था, यदि आपको अमेरिका में रहते हुए हमले, घरेलू हिंसा या अन्य अपराधों के लिए गिरफ्तार किया जाता है, तो आपका अमेरिकी वीजा रद किया जा सकता है और आप भविष्य में अमेरिकी वीजा के लिए अयोग्य हो सकते हैं। वीजा विशेषाधिकार है, अधिकार नहीं।

इससे पहले 16 जुलाई को दूतावास ने बयान जारी कर कहा था कि अमेरिका जाकर हमला, चोरी या सेंधमारी को अंजाम देने वाले वीजाधारकों को न केवल कानूनी मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा, बल्कि वीजा भी रद किया जा सकता है।

इतना ही नहीं, ऐसे आरोपितों को भविष्य में अमेरिकी वीजा के लिए अयोग्य भी करार दिया जा सकता है यानी इस तरह के आरोपित के अमेरिका में दोबारा प्रवेश करने से भी रोक लगाई जा सकती है।

तेलंगाना में DCP ने ऑफिस में पी शराब, फिर उल्टी कर स्टाफ को साफ करने के दिए आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेलंगाना के राचकोंडा में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी द्वारा ऑफिस में शराब पीने और फिर उल्टी करने का मामला सामने आया है। यह घटना सामने आने के बाद अधिकारी का तत्काल तबादला कर दिया गया।

तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद के राचकोंडा कमिश्नरेट में कार्यरत डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस एस मल्ला रेड्डी पर आरोप है कि उन्होंने अपने ऑफिस में ही शराब पी।

ऑफिस के फर्श पर की उल्टी- बताया जा रहा है कि शराब पीने के बाद उन्होंने ऑफिस के फर्श पर ही उल्टी कर दी। इतना ही नहीं, उन्होंने स्टाफ को आदेश दिया कि वे ऑफिस की सफाई करें और उल्टी को साफ करें।

किया गया तबादला- यह घटना सामने आने के बाद पब्लिक के गुस्से को देखते हुए राचकोंडा पुलिस कमिश्नरेट सुधीर बाबू ने सख्त कदम उठाया और मल्ला रेड्डी का तबादला तुरंत पुलिस महानिदेशक के कार्यालय में कर दिया।

आपस में टकराए 20 वाहन; एक की मौत और कई घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर शनिवार दोपहर एक बड़ा हादसा हो गया। यहां एक तेज रफ्तार कंटेनर ट्रेलर ट्रक ने 20 वाहनों को टक्कर मार दी। इस हादसे में एक महिला की मौत हो गई, जबकि 18 लोग घायल हो गए हैं।

हादसा रायगढ़ जिले के खालापुर तालुका में खोपोली थाना क्षेत्र के अदोशी सुरंग के पास हुआ। एक अधिकारी ने बताया कि कंटेनर ट्रेलर ट्रक का ब्रेक फेल हो गया था, जिसके कारण चालक ने उस पर से अपना नियंत्रण खो दिया था।

ब्रेक फेल होने से अनियंत्रित हुआ वाहन- ब्रेक फेल होने की वजह से कंटेनर ट्रेलर ट्रक अनियंत्रित हो गया और इसने 20 वाहनों को ठोकर मार दी। इसमें बीएमडब्ल्यू और मर्सिडीज जैसी लग्जरी गाड़ियां भी शामिल हैं। घायलों को इलाज के लिए नवी मुंबई के एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

अधिकारी ने बताया कि हादसे में 19 लोग घायल हुए थे। इन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान एक महिला की मौत हो गई।

MP-राजस्थान समेत 21 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट, दिल्लीवालों को कब मिलेगी उमस से राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय मौसम विभाग ने चेतावनी जारी करते हुए बताया है कि देश के कई इलाकों में अगले कुछ दिनों तक तेज बारिश देखने को मिलेगी। गुजरात, कोंकण और गोवा, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, मराठवाड़ा और विदर्भ जैसे क्षेत्रों में बहुत भारी से अत्यधिक भारी बारिश हो सकती है।

इसके अलावा अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, छत्तीसगढ़, कर्नाटक के तटीय इलके, झारखंड, केरल, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, ओडिशा, राजस्थान, तमिलनाडु, पुडुचेरी, तेलंगाना और उत्तरी कर्नाटक में भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना है।

कहां-कहां होगी छिटपुट बारिश- इसके साथ ही मौसम विभाग के मुताबिक, बिहार, आंध्रप्रदेश, सौराष्ट्र, कच्छ, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल व सिक्किम में भी छिटपुट बारिश हो सकती है।

26 जुलाई को दिल्लीवासियों को गर्मी और बारिश दोनों का सामना करना पड़ सकता है। दिन का तापमान 39.4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है, जबकि रात का तापमान 32.2 डिग्री रहेगा।

दिल्ली में कैसा रहेगा मौसम- दिल्ली में बारिश की संभावना 82त्न है और नमी 49% तक पहुंच सकती है। हल्की हवाएं चलेंगी, लेकिन गर्मी से ज्यादा राहत नहीं मिलेगी। दिन की शुरुआत साफ आसमान के साथ होने के बाद दोपहर बाद बादल छाने की उम्मीद है और करीब 1.12 मिमी बारिश हो सकती है।

मुर्शिदाबाद में चार दिन में दूसरी बार TMC नेता की हत्या, BJP कार्यकर्ता पर लगा आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। तृणमूल कांग्रेस के एक स्थानीय नेता पर अज्ञात हमलावरों ने हमला कर दिया था। गोली और धारदार हथियार से बुरी तरह जख्मी नेती की मौत हो गई।

इस घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बन गया। पुलिस के मुताबिक, यह हमला 21 जुलाई की रात हुआ जब टीएमसी नेता पतित पाल अपने घर के पास थे। अज्ञात हमलावरों ने उन पर गोली चलाई और धारदार हथियार से हमला भी किया।

इसके बाद, बुरी तरह से घायल पतित पाल को मुर्शिदाबाद मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान शनिवार सुबह उन्होंने दम तोड़ दिया। पतित पाल रेजिनगर क्षेत्र के प्रभावशाली नेता माने जाते थे।

पुलिस ने बताया कि इस मामले में सात लोगों के खिलाफ खढ्ढक्रदर्ज की गई है, जिनमें सभी के बीजेपी से जुड़े होने का आरोप है। पतित पाल के भाई परितोष पाल ने दावा किया है कि हमला राजनीतिक साजिश का नतीजा है।

पतित के भाई ने क्या आरोप लगाया- पतित पाल के भाई का कहना है कि हमलावर स्थानीय बीजेपी कार्यकर्ता थे, जिन्होंने पहले से ही पतति को एक पुराने हत्या के मामले में गवाही देने पर धमकी दी थी। परितोष का यह भी आरोप है कि FIR पतित पाल के मरने के पहले दिए गए बयान के आधार पर दर्ज हुई है।

उन्होंने कहा कि अब भी उन्हें और उनके परिवार को धमकियां मिल रही हैं तोकि वो केस वापस ले लें। इस हत्या पर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अधीर रंजन चौधरी ने इसे TMC का आंतरिक झगड़ा बताया और निष्पक्ष जांच की मांग की।

गूगल मैप ने फिर कर दी गड़बड़! कार लेकर खाई में गिर गई महिला

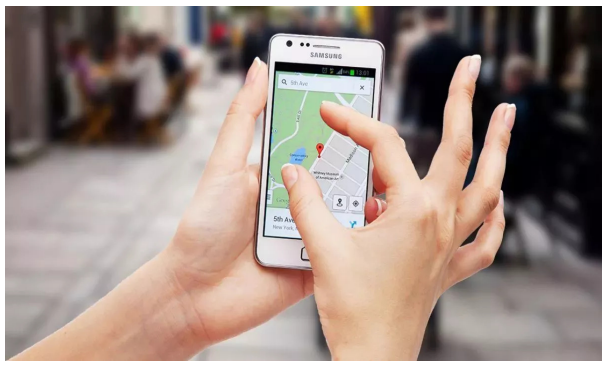

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नवी मुंबई में एक महिला को गूगल मैप फॉलो करना महंगा पड़ गया। रूट को फॉलो करने हुए महिला की कार खाई में गिर गई। इसके बाद वहां मौजूद सुरक्षा अधिकारियों ने जब महिला को देखा, तो उसे बाहर निकाला।

महिला को कोई गंभीर चोट नहीं आई है। उसकी कार को भी बाहर निकाल लिया गया है। सोशल मीडिया पर इसका वीडियो काफी वायरल हैं। इसमें महिला की कार को क्रेन की मदद से निकालते हुए देखा जा सकता है।

गूगल मैप को फॉलो कर रही थी महिला- रिपोर्ट्स के मुताबिक, महिला को बेलापुर से उल्वे जाना था। वह अपनी कार लेकर घर से निकली। उसे बेलापुर में बे ब्रिज से होकर जाना था, लेकिन गूगल मैप ने उसे पुल के नीचे ध्रुवतारा जेट्टी की ओर जाने वाले रास्ता दिखाया। महिला को रास्ते का अंदाजा नहीं था, इसलिए उसने गूगल मैप का रूट फॉलो करना शुरू कर दिया। इसके कुछ ही देर बाद महिला की कार खाई में जा गिरी। वहां मौजूद समुद्री सुरक्षा अधिकारियों ने महिला को पानी में तैरते हुए देखा और उसे तुरंत बाहर निकाला। महिला की कार को भी खाई से बाहर निकाल लिया गया है।

गूगल मैप को फॉलो करते हुए दुर्घटना का यह कोई पहला मामला नहीं है। पिछले साल बरेली से बदायूं जा रही एक कार गूगल मैप की वजह से 50 फीट नीचे बह रही नदी में गिरकर बह गई थी। इस हादसे में 3 मौत हो गई थी। वहीं हैदराबाद से केर पहुंचा एक ग्रुप भी गूगल मैप के कारण उफनती नदी में जा गिरा था।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com
jagrayam.com
online news magazine

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्

सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 शुक्ल तृतीया

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

संपादकीय

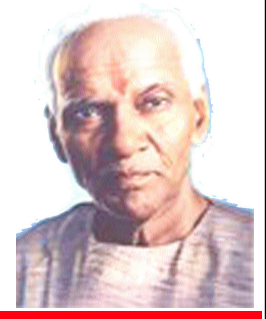

मेटा की मायावी चेतावनी....

कल सुबह की बात है। चाय का प्याला हाथ में लेकर अखबार पढ़ ही रहा था कि मोबाइल की स्क्रीन पर दुनिया बदलने वाला एक मैसेज आ टपका। लिखा था चेतावनी! कल से फेसबुक, मेटा के नाम से आपके चित्रों का उपयोग कर सकता है। आज अंतिम दिन है विरोध दर्ज कराने का। नीचे एक लंबा-चौड़ा घोषणा-पत्र टाइप स्टेटमेंट था मैं फेसबुक को अपने कल, आज और भविष्य के चित्रों, विचारों, संदेशों या रचनाओं के उपयोग की अनुमति नहीं देता/देती।

पढ़कर एक क्षण को तो लगा कि देश के सभी संविधान विशेषज्ञों ने संयुक्त रूप से संविधान संशोधन प्रस्ताव व्हाट्सऐप स्टेटस में डाल दिया है।

सच कहूं तो यह वही दृश्य था, जब आदमी तकनीक के समुद्र में तैरते हुए भी तथ्य की पतंग को फॉरवर्ड की डोर से उड़ाता है। सोशल मीडिया की यही तो खूबी है, कि यहां हर तीसरा प्राणी 'डिजिटल गुरु', कविता संकलन संपादक, और कानूनी सलाहकार होता है ,बशर्ते वो अपने फॉरवर्ड को सच मानने को तैयार हो।

जो मित्र आज तक बैंक लॉगिन और लॉगआउट में उलझे रहते थे, वे अचानक 'डिजिटल अधिकारों' की रक्षा में सुप्रीम कोर्ट के जज बन गए! जिन्होंने अब तक अपना पर्स,अपनी बैंक की पासबुक पत्नी से छिपाकर रखी, वे भी 'प्राइवेसी राइट्स' पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित कर रहे हैं,फेसबुक को ललकार कर।

हमारे मोहल्ले के शर्मा जी सहित कई मूर्धन्य विद्वानों ने बिना किसी फैक्ट चेक के भेड़ चाल चलते हुए तुरंत बाकायदा स्टेटस डाला मैं मेटा को सूचित करता हूं कि मेरी प्रोफाइल और इसकी सामग्री पर आपका कोई अधिकार नहीं है।। जो लेखक महोदय चाहते हैं कि उनकी कथित कविता हर अखबार कापी पेस्ट कर छाप कर उन्हें धन्य करे उन साहित्यकार महोदय ने भी यह घोषणा यथावत रिपीट कर दी। समझ सकते हैं कि फेसबुक के सर्वर अमेरिका में हैं और शर्मा जी की समझ अलमारी में बंद पुराने रेडियो जैसी। फेसबुक वाले तो इन बयानों पर शायद उतना ही ध्यान देंगे जितना रेलवे स्टेशन पर लोग 'जागरूकता पोस्टर' पर देते हैं। और इसी बीच, एक नया खेल शुरू हो जाता है । गंभीर चेतावनी को कॉपी-पेस्ट न करने वाले अगले सात दिन में दुर्भाग्य के शिकार होंगे। अब देखिए, यह चेतावनी है या श्राप? सोशल मीडिया क्या बन गया है, सूचना का तांत्रिक अखाड़ा?राम राम लिखने भर से 7 घंटों में धन की बौछार होने लगे तो अदानी अपने सब कर्मचारी इसी काम में लगा दें।इस सब में असली मज़ा तब आता है, जब कोई प्रबुद्ध आत्मा, अपने टूटे फूटे कविता टाइप के स्टेटस को महादेवी वर्मा की रचना बता देता है। कविता कुछ यूँ होती है, तेरा मेरा रिश्ता है वाईफाई से जुड़ा, पासवर्ड गलत हो तो दिल भी जुदा।

और नीचे लिखा होता है कवियित्री महादेवी वर्मा । बारम्बार यदि यही फॉरवर्ड रिपीट हो जाए तो गूगल के सर्वर भी कनफ्यूजिया जाते हैं, और प्रश्न करने पर कि ये पंक्तियां किसकी हैं, उत्तर मिलता है महादेवी वर्मा की। इस तरह स्व. महादेवी जी को नए संग्रह के लिए स्वर्ग में ही बैठे बैठाए नई सामग्री सुलभ हो जाती है।

कविताओं से लेकर खबरों तक, यहां हर कोई शेयर के बटन से विद्वान बन चुका है। किसी दिन सूरज पश्चिम से उग जाए, और कोई उसे क्व्ह्द्गड्डद्वद्धठ्ठद्द ह्द्ग2ह्य ग्रहों की चाल बदली के साथ शेयर कर दे तो आश्चर्य मत करना। ये सिलसिला सिर्फ कविताओं या चेतावनियों तक ही सीमित नहीं है। कभी आपको संदेश मिलेगा खाली पेट लहसुन खाइए, तो कैंसर भाग जाएगा। कैंसर अगर लहसुन से भागता, तो हर सब्जी वाले को ऑन्कोलॉजिस्ट घोषित कर देना चाहिए था।

डॉ. अब्दुल कलाम

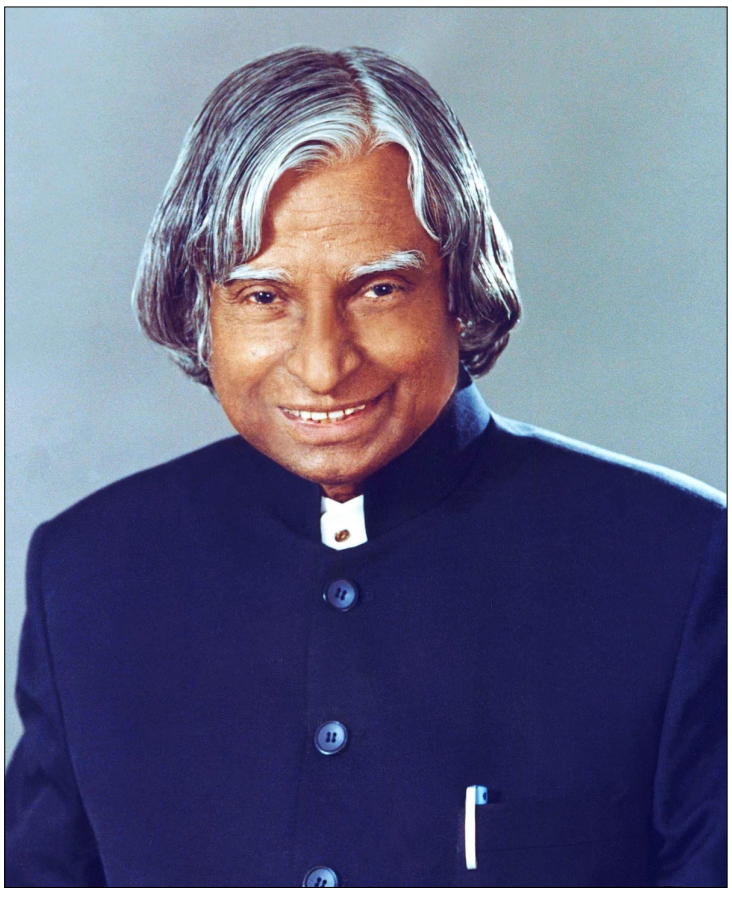

अवुल पकिर जैनुल्लाब्दीन अब्दुल कलाम जिन्हें डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम के नाम से जाना जाता है, भारत के पूर्व राष्ट्रपति, प्रसिद्ध वैज्ञानिक और अभियंता के रूप में विख्यात थे। उनका राष्ट्रपति कार्यकाल 25 जुलाई, 2002 से 25 जुलाई, 2007 तक रहा। उन्हें मिसाइल मैन के नाम से भी जाना जाता है। वह एक गैर राजनीतिक व्यक्ति थे। विज्ञान की दुनिया में चमत्कारिक प्रदर्शन के कारण ही राष्ट्रपति भवन के द्वार उनके लिए स्वत~ ही खुल गए। जो व्यक्ति किसी क्षेत्र विशेष में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करता है, उसके लिए सब सहज हो जाता है और कुछ भी दुर्लभ नहीं रहता। अब्दुल कलाम इस उद्धरण का प्रतिनिधित्व करते नज़र आते थे। उन्होंने विवाह नहीं किया था। उनकी जीवन गाथा किसी रोचक उपन्यास के नायक की कहानी से कम नहीं है। चमत्कारिक प्रतिभा के धनी अब्दुल कलाम का व्यक्तित्व इतना उन्नत था कि वह सभी धर्म, जाति एवं सम्प्रदायों के व्यक्ति नज़र आते थे। वह एक ऐसे स्वीकार्य भारतीय थे, जो सभी के लिए एक महान् आदर्श बन चुके हैं। विज्ञान की दुनिया से देश का प्रथम नागरिक बनना कपोल कल्पना मात्र नहीं है, क्योंकि यह एक जीवित प्रणेता की सत्य कथा है।

जीवन परिचय- अब्दुल कलाम का पूरा नाम डॉक्टर अवुल पाकिर जैनुल्लाब्दीन अब्दुल कलाम था। उनका जन्म 15 अक्टूबर, 1931 को रामेश्वरम तमिलनाडु में हुआ था। द्वीप जैसा छोटा सा शहर प्राकृतिक छटा से भरपूर था। शायद इसीलिए अब्दुल कलाम जी का प्रकृति से बहुत जुड़ाव रहा था। रामेश्वरम का प्राकृतिक सौन्दर्य समुद्र की निकटता के कारण सदैव बहुत दर्शनीय रहा है। उनके पिता जैनुलाब्दीन न तो ज़्यादा पढ़े-लिखे थे, न ही पैसे वाले थे। वे नाविक थे, और नियम के बहुत पक्के थे। उनके पिता मछुआरों को नाव किराये पर दिया करते थे। उनके संबंध रामेश्वरम के हिन्दू नेताओं तथा अध्यापकों के साथ काफ़ी स्नेहपूर्ण थे। अब्दुल कलाम ने अपनी आरंभिक शिक्षा जारी रखने के लिए अख़बार वितरित करने का कार्य भी किया था।

विद्यार्थी जीवन- अब्दुल कलाम जब आठ-नौ साल के थे, तब से सुबह चार बजे उठते थे और स्नान करने के बाद गणित के अध्यापक स्वामीयर के पास गणित पढ़ने चले जाते थे। स्वामीयर की यह विशेषता थी कि जो विद्यार्थी स्नान करके नहीं आता था, वह उसे नहीं पढ़ाते थे। स्वामीयर एक अनोखे अध्यापक थे और पाँच विद्यार्थियों को प्रतिवर्ष निन्शुल्क ट्यूशन पढ़ाते थे। इनकी माता इन्हें उठाकर स्नान कराती थीं और नाश्ता करवाकर ट्यूशन पढ़ने भेज देती थीं। अब्दुल कलाम ट्यूशन पढ़कर साढ़े पाँच बजे वापस आते थे। उसके बाद अपने पिता के साथ नमाज़ पढ़ते थे। फिर कुरान शरीफ़ का अध्ययन करने के लिए वह अरेशिक स्कूल (मदरसा) चले जाते थे। इसके पश्चात्त अब्दुल कलाम रामेश्वरम के रेलवे स्टेशन और बस अड्डे पर जाकर समाचार पत्र एकत्र करते थे।

कार्यक्षेत्र- 1962 में वे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन में आये। डॉक्टर अब्दुल कलाम को प्रोजेक्ट डायरेक्टर के रूप में भारत का पहला स्वदेशी उपग्रह (एस.एल.वी. तृतीय) प्रक्षेपास्त्र बनाने का श्रेय हासिल है। जुलाई 1980 में इन्होंने रोहिणी उपग्रह को पृथ्वी की कक्षा के निकट स्थापित किया था। इस प्रकार भारत भी अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष क्लब का सदस्य बन गया। इसरो लॉन्च व्हीकल प्रोग्राम को परवान चढ़ाने का श्रेय भी इन्हें प्रदान किया जाता है। डॉक्टर कलाम ने स्वदेशी लक्ष्य भेदी (गाइडेड मिसाइल्स) को डिज़ाइन किया। इन्होंने अग्नि एवं पृथ्वी जैसी मिसाइल्स को स्वदेशी तकनीक से बनाया था। डॉक्टर कलाम जुलाई 1992 से दिसम्बर 1999 तक रक्षा मंत्री के विज्ञान सलाहकार तथा सुरक्षा शोध और विकास विभाग के सचिव थे। उन्होंने स्ट्रेटेजिक मिसाइल्स सिस्टम का उपयोग आग्नेयास्त्रों के रूप में किया।

व्यावसायिक परिचय- डॉ. अब्दुल कलाम जब एच.ए.एल. से एक वैमानिकी इंजीनियर बनकर निकले तो उनके पास नौकरी के दो बड़े अवसर थे। ये दोनों ही उनके बरसों पुराने उड़ान के सपने को पूरा करने वाले थे। एक अवसर भारतीय वायुसेना का था और दूसरा रक्षा मंत्रालय के अधीन तकनीकी विकास एवं उत्पादन निदेशालय का था। उन्होंने दोनों जगहों पर साक्षात्कार दिया। वे रक्षा मंत्रालय के तकनीकी विकास एवं उत्पादन निदेशालय में चुन लिए गए। सन् 1958 में इन्होंने 250 रुपए के मूल वेतन पर निदेशालय के तकनीकी केंद्र (उड्डयन) में वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक के पद पर काम संभाल लिया।

विशेष योगदान- फ़रवरी, 1982 में डॉ. अब्दुल कलाम को डी.आर.डी.एल का निदेशक नियुक्त किया गया। उसी समय अन्ना विश्वविद्यालय, मद्रास ने इन्हें डॉक्टर आफ साइंस की मानक उपाधि से सम्मानित किया। एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग में डिग्री हासिल करने के क़रीब बीस साल बाद यह मानद उपाधि डॉ. अब्दुल कलाम को प्राप्त हुई। डॉ. अब्दुल कलाम ने रक्षामंत्री के तत्कालीन वैज्ञानिक सलाहकार डॉ. वी. एस. अरूणाचलम के मार्गदर्शन में इंटीग्रेटेड गाइडेड मिसाइल डेवलपमेंट प्रोग्राम (आई.जी.एम.डी.पी.) का प्रस्ताव तैयार किया। स्वदेशी मिसाइलों के विकास के लिए एक स्पष्ट और सुपरिभाषित मिसाइल कार्यक्रम तैयार करने के उद्देश्य से डॉ. अब्दुल कलाम की अध्यक्षता में एक कमेटी बनाई गई।

डॉक्टर अब्दुल कलाम राजनीतिक क्षेत्र के व्यक्ति नहीं हैं लेकिन राष्ट्रवादी सोच और राष्ट्रपति बनने के बाद भारत की कल्याण संबंधी नीतियों के कारण इन्हें कुछ हद तक राजनीतिक दृष्टि से सम्पन्न माना जा सकता है। इन्होंने अपनी पुस्तक इण्डिया 2020 में अपना दृष्टिकोण स्पष्ट किया है। यह भारत को अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में दुनिया का सिरमौर राष्ट्र बनते देखना चाहते हैं और इसके लिए इनके पास एक कार्य योजना भी है। परमाणु हथियारों के क्षेत्र में यह भारत को सुपर पॉवर बनाने की बात सोचते रहे हैं। वह विज्ञान के अन्य क्षेत्रों में भी तकनीकी विकास चाहते हैं।

व्यक्तित्व एवं कृतित्व- डॉ. कलाम एक बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी हैं। वेशभूषा, बोलचाल के लहजे, अच्छे-खासे सरकारी आवास को छोड़कर हॉस्टल का सादगीपूर्ण जीवन, ये बातें उनके संपर्क में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति पर एक सम्मोहक प्रभाव छोड़ती हैं। विज्ञान, प्रौद्योगिकी, देश के विकास और युवा मस्तिष्कों को प्रज्वलित करने में अपनी तल्लीनता के साथ साथ वे पर्यावरण की चिंता भी खूब करते हैं, साहित्य में रुचि रखते हैं, कविता लिखते हैं, वीणा बजाते हैं, तथा अध्यात्म से बहुत गहरे जुड़े हुए हैं। डॉ. कलाम में अपने काम के प्रति जबर्दस्त दीवानगी है। उनके लिए कोई भी समय काम का समय होता है। वह अपना अधिकांश समय कार्यालय में बिताते हैं। देर शाम तक विभिन्न कार्यक्रमों में डॉ. कलाम की सक्रियता तथा स्फूर्ति काबिलेतारीफ है। ऊर्जा का ऐसा प्रवाह केवल गहरी प्रतिबद्धता तथा समर्पण से ही आ सकता है। डॉ. कलाम खानपान में पूर्णत~ शाकाहारी व्यक्ति हैं। वे मदिरापान से बिलकुल परहेज करते हैं। उनका निजी जीवन अनुकरणीय है। डॉ. कलाम की याददाश्त बहुत तेज है। वे घटनाओं तथा बातों को याद रखते हैं।

सम्मान और पुरस्कार- डॉ. कलाम को अनेक सम्मान और पुरस्कार मिले हैं जिनमें शामिल हैं- इंस्टीट्यूशन ऑफ़ इंजीनियर्स का नेशनल डिजाइन अवार्ड

एरोनॉटिकल सोसाइटी ऑफ़ इंडिया का डॉ. बिरेन रॉय स्पेस अवार्ड

एस्ट्रोनॉटिकल सोसाइटी ऑफ़ इंडिया का आर्यभट पुरस्कार

विज्ञान के लिए जी.एम. मोदी पुरस्कार

राष्ट्रीय एकता के लिए इंदिरा गांधी पुरस्कार।

डॉ. कलाम भारत के विशिष्ट वैज्ञानिक थे, जिन्हें 30 विश्वविद्यालयों और संस्थानों से डॉक्टरेट की मानद उपाधि प्राप्त हुई थी।

भारत के नागरिक सम्मान के रूप में डॉ. कलाम को 1981 में पद्म भूषण, 1990 में पद्म विभूषण, 1997 में भारत रत्न सम्मान प्राप्त हो चुके थे।

तरक्की की रफ्तार को बनाए रखेगा भारत, UBS ने रिपोर्ट में किया खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। वैश्विक निवेश बैंक यूबीएस ने ताजा रिपोर्ट में भारत की जीडीपी ग्रोथ को लेकर पॉजिटिव अनुमान लगया है। अपनी रिपोर्ट में बैंक ने कहा है कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 में वार्षिक आधार पर भारत की जीडीपी ग्रोथ रेट 6 से लेकर 6.5 प्रतिशत रह सकती है। रिपोर्ट में कहा गया कि भारत वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि को बनाए रख सकता है।

अमेरिका की ओर से टैरिफ में हालिया तेजी के बावजूद इस वृद्धि में मजबूत घरेलू मांग और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में नरमी का प्रमुख योगदान रहेगा।

भारत के के वस्तु व्यापार में जोखिम कम- रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत वैश्विक व्यापार झटकों के प्रति कम संवेदनशील है। खासतौर पर उन एशियाई अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में जो अधिक निर्यात पर निर्भर हैं। भारत के वस्तु व्यापार में जोखिम कम है और उसके पास सेवाओं का एक मजबूत आधार है।

भारत के कुल निर्यात में सेवा की करीब 47 प्रतिशत हिस्सेदारी है। कैलेंडर वर्ष 2025 में रेपो रेट में 100 आधार अंक या एक प्रतिशत की कटौती के बाद अब मौद्रिक संचरण बढ़ाने की नीति पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

रेपो रेट में कटौती की गुंजाइश- रिपोर्ट के विश्लेषकों का कहना है कि यदि महंगाई कम रहती है और बाहरी जोखिम वृद्धि की गति को धीमा करते हैं, तो रेपो रेट में 25-50 आधार अंक की और कटौती की गुंजाइश बन सकती है।

बीते वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च 2025) की पहली तिमाही में जीडीपी की वृद्धि दर 7.4 प्रतिशत रही है, जो अपेक्षाओं से अधिक है।

मुख्य आर्थिक सलाहकार डा. वी. अनंत नागेश्वरन ने अर्थव्यवस्था की मजबूती को लेकर भरोसा जताया है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आइएमएफ) ने भारत को अगले दो वर्षों में सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बने रहने का अनुमान जताया है।

2811% का मल्टीबैगर रिटर्न, अब हर शेयर पर 51 रुपये का भारी भरकम डिविडेंड दे रही कंपनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर बाजार में लोग उन्हीं कंपनियों में निवेश करना पसंद करते हैं जो छप्पर फाड़ डिविडेंड देती है। बड़े-बड़े निवेशक ऐसी कंपनियों को चुनाव करते हैं। इन्हीं में से एक कंपनी है जिसने भारी भरकम डिविडेंड देने का ऐलान किया है। इसकी रिकॉर्ड डेट भी सामने आ गई है। निवेशक इसके डिविडेंड का लाभ उठाने के लिए शेयर खरीदने के लिए टूट पड़े हैं। इस स्टॉक का नाम है अपार इंडस्ट्रीज। इसने भारी भरकम डिविडेंड की घोषणा करके अपने निवेशकों को खुश कर दिया है। BSE और NSE पर लिस्टेड इस कंपनी ने अपने निवेशकों को मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। यानी अगर आपने इस शेयर में लाखों रुपये लगाए होते तो इसकी कीमत आज करोड़ों में हो गई होती। बीते 5 सालों की बात करें तो इस शेयर ने रिटर्न से निवेशकों की झोली भर दी है। 5 साल में इस कंपनी ने 2,811.33त्न का भारी भरकम रिटर्न दिया है।

हर शेयर पर 51 रुपये का भारी भरकम डिविडेंड बांट रही कंपनी- अपार इंडस्ट्रीज द्वारा एक्सचेंज को दी गई जानकारी के अनुसार, उसके बोर्ड ने वित्त वर्ष 2025 के लिए 10 रुपये की फेस वैल्यू वाले प्रत्येक शेयर पर 510 प्रतिशत या 51 रुपये का लाभांश वितरित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी।

भारतीय किसानों को झटका देने चला था चीन, लेकिन भारत ने कर दिया चित; बनाया ऐसा प्लान देखता रह गया ड्रैगन!

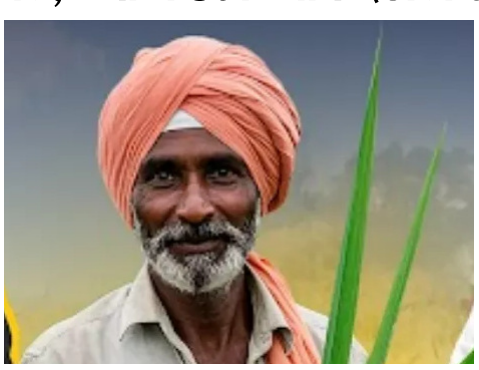

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के किसानों को झटका देने के लिए चीन ने पिछले दो महीनों से उर्वरकों की आपूर्ति में बाधा डालने का काम किया है। ऐसे में भारत सरकार ने विशेष उर्वरकों के उत्पादन को बढ़ाने के तरीके ढूंढ रही है, जिसका फल, सब्जी और फूलों की खेती के लिए जरूरी हैं। चीन को लग रहा था कि उसके इस कदम से भारत के किसानों को झटका लगेगा। लेकिन वह अपनी इस चाल में कामयाब नहीं हो पाया।

भारत ने हाई क्वालिटी फर्टिलाइजर के उत्पादन को बढ़ाने के दिशा में कदम तेज कर दिए हैं क्रेंद सरकार के एक अधिकारी ने बताया कि सरकार ने पहले ही सार्वजनिक, सहकारी और निजी क्षेत्र की प्रमुख उर्वरक कंपनियों के साथ शुरुआती बातचीत की है। अधिकारी ने कहा, ÷हमने सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की कंपनियों से विशेष उर्वरकों की उपलब्धता बढ़ाने को कहा है।÷

विशेष उर्वरकों में पॉलिमर-कोटेड यूरिया (जो धीरे-धीरे मिट्टी में मिलता है और पौधों को लंबे समय तक उपलब्ध रहता है), चीलेटेड माइक्रोन्यूट्रिएंट्स (जो क्षारीय मिट्टी में प्रभावी हैं), पानी में घुलनशील उर्वरक जैसे मोनोअमोनियम फॉस्फेट और पोटैशियम नाइट्रेट, और स्टेबलाइज्ड नाइट्रोजन उर्वरक (जिनमें यूरियस इनहिबिटर्स होते हैं) जैसे उर्वरक शामिल हैं। इस तरह के उर्वरकों के लिए भारत बहुत हद तक ड्रैगन पर निर्भर है।

एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में आयात होने वाले विशेष उर्वरकों का लगभग 80त्न हिस्सा चीन से आता है। लेकिन पिछले दो महीनों से चीन की आपूर्ति बाधित है, क्योंकि वहां की सरकार ने बिना प्रतिबंध लगाए विभिन्न तरीकों से भारत को निर्यात रोक दिया है।

इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइजर कोऑपरेटिव लिमिटेड 2011 से पानी में घुलनशील और विशेष उर्वरकों का उत्पादन शुरू किया। कंपनी की मौजूदा प्रोडक्शन क्षमता 15,000 टन प्रति वर्ष है।

इस कंपनी ने भारत में पहली बार पन्नी में दूध किया था पैक, आपके भी घर आता है इसका मिल्क

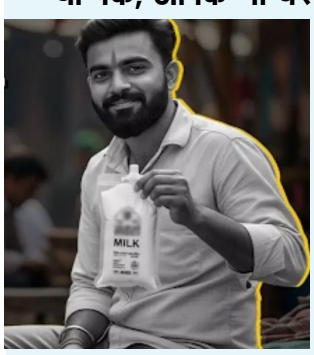

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज के समय में दूध के बिना किसी की भी सुबह नहीं होती। अधिकतर लोगों की सुबह की शुरुआत दूध वाली चाय की चुस्की से होती है। शहरों में रहने वाले लोग अधिकतर पन्नी वाले दूध का ही इस्तेमाल करते हैं। क्योंकि शहरों में बहुत कम ही संभावना होती है कि कोई ताजा दूध दे जाए।

पन्नी वाले दूध का प्रचलन आज नहीं बहुत पहले ही आया था। आज हम उसी इतिहास की बात करें कि आखिर भारत में पन्नी वाला दूध कब आया था और किस कंपनी ने सबसे पहले भारत में पन्नी में दूध पैक करके मार्केट में उतारा था।

ये कहानी बहुत ही रोचक है। पन्नी में दूध को पैक करके बेचने की कला ने एक नया बिजनेस शुरू करने का रास्ता खोल दिया। जिस कंपनी ने इसकी शुरुआत की आज लगभग हर दूसरे घर में उसी का दूध जाता है। शायद आप उस कंपनी के बारे में जानते भी होंगे।

किस कंपनी ने भारत में सबसे पन्नी में पैक किया था दूध- अमूल का नाम तो आप सभी ने सुना ही होगा! इस कंपनी ने भारत में सफेद क्रांति जिसे दुग्ध क्रांति भी कहा जाता है कि शुरुआत की थी। साल 1955 में अमूल ने पहली बार टेट्रा पैक में दूध बेचना शुरू किया। यह एक अत्याधुनिक पैकेजिंग थी।

फिर आगे चलकर 1960 के दशक में अमूल ने दूध को पन्नी में पैक करके बेचना शुरू किया।

8वें वेतन आयोग पर आ गई रिपोर्ट, कर्मचारियों को लगा झटका

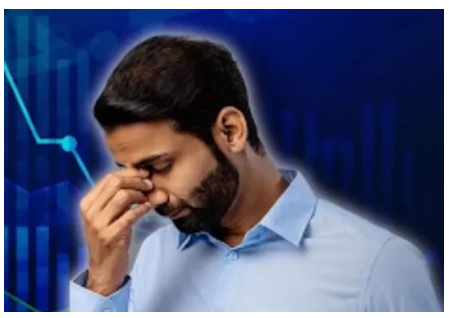

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय केन्द्रीय सरकारी कर्मचारी और पेंशनभोगी 8वें वेतन आयोग के कार्यान्वयन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। उन्हें उम्मीद है कि सरकार उनकी सैलरी और पेंशन में अच्छी वृद्धि करेगी। लेकिन एक रिपोर्ट आई जिसने कर्मचारियों और पेंशनरों को झटका दिया है। ये रिपोर्ट है कोटक की है। जी हां कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज ने अपनी रिपोर्ट में ऐसा कुछ छापा है कि अगर आप अगर आप एक केंद्रीय कर्मचारी हैं या फिर पेंशनभोगी तो इसे पढ़कर आप नाखुश हो जाएंगे। आइए जानते हैं कि आखिर रिपोर्ट में क्या कुछ कहा गया है।

8वें वेतन आयोग का 33 लाख केंद्रीय कर्मचारियों और 66 लाख पेंशनर्स पर इसका सीधा असर पड़ने की संभावना है। ग्रेड सी के कर्मचारी, जो केंद्र सरकार के कुल कार्यबल का लगभग 90त्न हिस्सा हैं, को सबसे अधिक फायदा होने की उम्मीद है।

कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज की एक हालिया रिपोर्ट बताती है कि 8वें वेतन आयोग के लिए फिटमेंट फैक्टर 1.8 तक कम हो सकता है, जिससे वास्तविक वेतन में केवल 13त्न की बढ़ोतरी होगी।

इससे पहले एम्बिट कैपिटल की एक पूर्व रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्तमान 7वें वेतन आयोग, जो दिसंबर 2025 में समाप्त होगा, के परिणामस्वरूप 2016 से 14.3त्न वेतन वृद्धि हुई है, जिसमें भत्ते शामिल नहीं हैं, जो आगामी 8वें वेतन आयोग के लिए अनुमानित वृद्धि से अभी भी अधिक है।

कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज को उम्मीद है कि समय-सीमा मोटे तौर पर पिछले वेतन आयोगों के पैटर्न के अनुरूप होगी। छठे और सातवें वेतन आयोगों को गठित होने के बाद रिपोर्ट प्रस्तुत करने में लगभग डेढ़ साल लगे, जबकि कैबिनेट की मंजूरी के बाद कार्यान्वयन में 3-9 महीने और लग गए।

फिटमेंट फैक्टर तय करेगा 8वें वेतन आयोग में कितनी बढ़ेगी सैलरी- कोटक का अनुमान है कि 8th Pay Commission से न्यूनतम वेतन स्तर 18,000 से बढ़कर लगभग 30,000 प्रति माह हो सकता है। इसका मतलब फिटमेंट फैक्टर लगभग 1.8 होगा और वास्तविक वेतन वृद्धि लगभग 13त्न होगी। फिटमेंट फैक्टर का इस्तेमाल किसी कर्मचारी के मौजूदा मूल वेतन के आधार पर उसके नए मूल वेतन की गणना के लिए किया जाता है। उदाहरण के लिए, सातवें वेतन आयोग ने 2.57 का फिटमेंट फैक्टर तय किया था, जिससे केंद्र सरकार के कर्मचारियों का मासिक न्यूनतम मूल वेतन 7,000 रुपये से बढ़कर 18,000 रुपये हो गया था।

आईटीआर भरते समय झूठ बोलकर छूट लेना पड़ेगा भारी, हो जाएगा बड़ा नुकसान

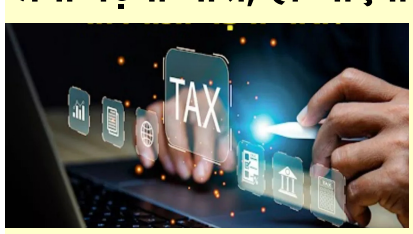

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगर आप भी इनकम टैक्स भरते हैं तो यह खबर आपके बहुत काम आने वाली है। क्योंकि आईटीआर फाइल करते समय बहुत सी ऐसी गलतियां हो जाती हैं जो आगे चलकर आपको कानूनी लफड़े में फंसा सकती है। बहुत से लोग टैक्स कम कराने के लिए इनकम टैक्स से झूठे दावे करते हैं जिससे उनका टैक्स कम हो जाता है और रिटर्न मिल जाता है। लेकिन अगर आप भी गलत जानकारी भरकर इनकम टैक्स रिटर्न पाना चाहते हैं तो यह आपके लिए खतरनाक हो सकता है।

अगल आप आईटीआर भरते समय फर्जी दावे करते हैं तो आयकर अधिनियम 1961 के अंतर्गत टैक्स चोरी के मामले में इनकम टैक्स आप पर कड़ा एक्शन ले सकता है। इससे आप कानूनी लफड़े में उलझ जाएंगे।

अगर आपने ITR फाइल करते समय झूठी जानकारी शेयर की है और छूट ली है तो यह आपके लिए खतरनाक साबित हो सकता है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

सरकारी सामान पर ऐश कर रहा था हॉस्टल अधीक्षक, औचक निरीक्षण में खुली पोल, कलेक्टर ने किया सस्पेंड

बुरहानपुर/नेपानगर। कलेक्टर हर्ष सिंह के निर्देश पर अधिकारियों द्वारा स्कूलों और छात्रावासों के किए जा रहे औचक निरीक्षण में कई चौंकाने वाले मामले सामने आ रहे हैं। गत 24 जुलाई को सीईओ जिला पंचायत लता शरणागत ने उत्कृष्ट सीनियर जनजातीय बालक छात्रावास बुरहानपुर का निरीक्षण किया तो पता चला कि विद्यार्थियों के लिए मिला फ्रिज और टीवी पूर्व अधीक्षक विजय राठौड़ अपने घर में उपयोग कर रहे हैं।

अधीक्षक को कलेक्टर ने किया निलंबित

इसकी जानकारी मिलने पर दूसरे दिन डिप्टी कलेक्टर पल्लवी पुराणिक छात्रावास पहुंचीं और जांच के बाद उन्होंने वर्तमान में जनजातीय बालक आश्रम अंग्रेजी माध्यम बहादरपुर के अधीक्षक विजय राठौड़ के घर से फ्रिज व टीवी जब्त कराए। उनके प्रतिवेदन के आधार पर कलेक्टर हर्ष सिंह ने छात्रावास अधीक्षक को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर सहायक आयुक्त के कार्यालय में अटैच कर दिया है। अपने आदेश में कलेक्टर ने कहा है कि यह कृत्य कर्तव्य के प्रति लापरवाही, उदासीनता और वित्तीय अनियमितता का है।क्लास में भरा था सामान, भोजन से दाल गायब शनिवार को जिला शिक्षा अधिकारी संतोष सिंह सोलंकी ने खकनार क्षेत्र के छह स्कूलों का निरीक्षण किया। जिसमें कहीं क्लास में सामान भरा मिला तो कहीं मध्याह्न भोजन से दाल गायब मिली। उन्होंने बताया कि देड़तलाई स्कूल में अब तक टाइम टेबल नहीं बनाया गया है। बिल्लाधाना और धार बेल्थड़ में व्यवस्था ठीक मिली।

खारी माल में मध्याह्न भोजन में दाल नहीं मिलने पर समूह को चेतावनी दी गई है। बोरवन स्कूल में कमरे में सामान भरा पाया गया। उसे हटाने के लिए कहा गया है। रामखेड़ा स्कूल में शौचालय के पास पानी जमा मिला। उसकी निकासी के लिए कहा गया है। डीईओ ने बताया कि किसी भी स्कूल में शिक्षकों की ई-उपस्थिति नहीं मिली है।

डॉक्टर की बड़ी लापरवाही, बच्चेदानी की सर्जरी में काट दी यूरिन पाइप, लगा 1.05 लाख का जुर्माना

भोपाल। गलत इलाज से अगर मरीज को नुकसान होता है तो संबंधित अस्पताल से हर्जाना भी वसूल सकता है। भोपाल जिला उपभोक्ता आयोग ने एक अस्पताल पर एक लाख पांच हजार रुपये का हर्जाना लगाया है। इस अस्पताल में एक महिला मरीज की बच्चेदानी की सर्जरी की थी, इस दौरान मूत्रनलिका कट गई और मरीज को दूसरे अस्पताल में उसका इलाज कराना पड़ा।

सर्जरी के बाद आने लगी दिक्कत भानपुर निवासी महिला ने न्यू करोंद स्थित मैक्स केयर मल्टीस्पेशलिस्ट हास्पिटल के संचालक डा. जीशान अहमद के यहां 2019 में एक सर्जरी कराई थी। अधिक रक्तस्राव की वजह से सर्जरी से बच्चेदानी निकलवानी पड़ी। इसमें 25 हजार रुपये खर्च हुए। सर्जरी के बाद मूत्र रिसाव की नई समस्या पैदा हो गई। जब कई दिनों तक परेशानी दूर नहीं हुई तो उन्होंने दूसरे अस्पताल में जांच कराया तो वहां के डाक्टरों ने बताया कि पिछली बार हुई सर्जरी के दौरान मूत्रनलिका में कट लग गया है।बढ़ गया था किडनी के संक्रमण का खतरा इसकी वजह से पेशाब रिसकर किडनी के पास जमा हो रहा है। अब इससे किडनी के संक्रमण का दूसरा खतरा पैदा हो गया है। इस खतरे को दूर करने के लिए उन्हें दोबारा इलाज करवाना पड़ा। मैक्स केयर अस्पताल ने जब गलती मानने से इनकार कर दिया तो पीड़िता ने उपभोक्ता आयोग का दरवाजा खटखटाया। आयोग ने गांधी चिकित्सा महाविद्यालय की भी रिपोर्ट देखी।

अस्पताल पर लगा बड़ा जुर्माना उसके बाद आयोग ने यह कहा कि इस मामले में यदि मरीज यूरिन लीकेज की शिकायत कर रही थी, तो सर्जन के द्वारा सजगता से विधिवत जांच करनी चाहिए थी, जिससे कि मरीज को परेशान नहीं होना पड़ता। यह सेवा में कमी का मामला है। उन्होंने अस्पताल को एक लाख पांच हजार रुपये की क्षतिपूर्ति देने को कहा है।

अस्पताल ने बचने के लिए यह कहा अस्पताल प्रबंधन ने कहा कि मरीज को बच्चेदानी निकालने के बाद होने वाली परेशानी के बारे में बताया गया था। उनके ऑपरेशन में सिर्फ 10 हजार रुपये खर्च हुए थे। मरीज ने ऑपरेशन के बाद के निर्देश का पालन नहीं किया। वहीं मरीज ने तर्क रखा कि अस्पताल के डाक्टरों ने आश्वस्त किया था कि ऑपरेशन के बाद वह पूरी तरह से स्वस्थ हो जाएगी। उसे किसी प्रकार की परेशानी नहीं होगी।

अवैध डेयरी-पोल्ट्री फार्म पर High Court हुई सख्त...

जबलपुर कलेक्टर को भेजा अवमानना नोटिस जबलपुर। परसवाड़ा-जमतरा मार्ग की खस्ताहाल स्थिति और अवैध डेयरियों व पोल्ट्री फार्मों की शिकायतों पर कार्रवाई नहीं होने को लेकर मध्यप्रदेश हाई कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है।

न्यायमूर्ति द्वारिकाधीश बंसल की एकलपीठ ने जबलपुर कलेक्टर को अवमानना नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने पूछा है कि मई 2025 में दिए गए स्पष्ट निर्देशों के बावजूद अब तक ठोस कदम क्यों नहीं उठाए गए।

क्या है मामला? यह जनहित याचिका जबलपुर निवासी अधिवक्ता मोहित वर्मा द्वारा दाखिल की गई थी। उन्होंने याचिका में उल्लेख किया कि ग्राम परसवाड़ा और जमतरा की सड़कों पर भारी वाहनों की अवैध आवाजाही दिन-रात जारी है। डंपर, पानी के टैंकर और भूसे से भरे ट्रक ग्रामीण सड़कों को बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर रहे हैं। पहले करीब आठ फीट चौड़ी सड़क अब गड्ढों और कटाव के कारण महज चार से छह फीट की रह गई है, जिससे स्थानीय लोगों, खासकर स्कूली बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को आवागमन में भारी परेशानी हो रही है।

अवैध डेयरी-पोल्ट्री फार्म बन रहे प्रदूषण का कारण याचिका में यह भी बताया गया कि परसवाड़ा, गौर, बरेला जैसे गांवों में बड़ी संख्या में डेयरियां और पोल्ट्री फार्म बिना किसी वैधानिक अनुमति और पर्यावरणीय मानकों के संचालित हो रहे हैं। ये संस्थान गोबर, पेशाब और दूषित जल का निष्कासन खुले में कर रहे हैं, जिससे सड़क किनारे बहने वाली नालियां जाम हो जाती हैं और गांव की गलियों में कीचड़, बदबू और गंदगी फैल जाती है। गर्मी के मौसम में मच्छर और मक्खियों की संख्या बढ़ जाती है, जिससे संक्रामक रोग फैलने का खतरा बना रहता है।हाई कोर्ट ने दिए थे स्पष्ट निर्देश हाई कोर्ट ने मई 2025 में कलेक्टर को चार सप्ताह के भीतर उक्त समस्याओं पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे।

मध्य प्रदेश में भारी बारिश से नदी-नाले उफान पर...चंदेरी के पास पुल डूबा, यूपी जाने वाला रास्ता बंद

भोपाल। मध्य प्रदेश में लगातार हो रही बारिश और गुरुवार-शुक्रवार को कई क्षेत्रों में हुई भारी वर्षा से नदी-नाले उफान पर आ गए हैं। कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। अशोकनगर में चंदरी के पास पुल डूबने से आवागमन बंद करना पड़ा है। हरदा में प्रशासन ने जारी किया अलर्ट जारी किया है। विंध्य-महाकोशल के कई जिलों में भारी बारिश हुई है। शहरों-कस्बों तक में जलभराव की स्थिति है।

शुक्रवार को नर्मदापुरम के इटारसी में तवा डैम के तीन गेट सीजन में पहली बार खोले गए। तीन गेटों को तीन-तीन फीट खोलकर 14,514 क्यूसेक पानी यानी चार लाख 11 हजार 177.18 लीटर पानी प्रति सेकंड नर्मदा नदी में छोड़ा जा रहा है। प्रशासन ने हालात को देखते हुए तवा एवं नर्मदा के तटीय इलाकों में बसे गांवों में अलर्ट जारी किया है।सतपुड़ा जलाशय के 7 गेट खोले गए

बैतूल में भी सतपुड़ा जलाशय में जल स्तर तेजी से बढ़ रहा है। इसे देखते हुए प्रबंधन ने शुक्रवार को सात गेट तीन-तीन फीट की ऊंचाई तक खोल दिए हैं। इन गेटों से 17500 क्यूसेक पानी प्रति सेकंड तवा नदी में छोड़ा जा रहा है। अशोकनगर जिले के चंदेरी के पास मप्र व उप्र की सीमा पर स्थित राजघाट बांध में शुक्रवार दोपहर जलस्तर बढ़ गया। इसके चलते डैम के 12 गेट खोल दिए गए। इससे लगभग 1.78 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया।यहां तेजी से बढ़ रहा जलस्तर

भारी मात्रा में पानी छोड़े जाने से राजघाट के समीप मप्र-उप्र को जोड़ने वाला पुल डूब गया। पुल पर करीब आठ फीट तक पानी भर गया है। इससे दोनों राज्यों के बीच यातायात पूरी तरह से ठप हो गया है। हरदा में लगातार हो रही वर्षा और तवा बांध से पानी छोड़ने के कारण नर्मदा में जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है।प्रशासन ने नर्मदा के तटीय इलाकों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की समझाइश दी है। हंडिया के रिद्धनाथ और नेमावर के सिद्धनाथ घाट डूबे हुए हैं। दिन में रुक-रुककर बारिश का दौर जारी रहा। पिछले 24 घंटों में जिले में 1.7 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। इस वर्ष अब तक जिले में 499.4 मिमी औसत बारिश हो चुकी है, जो गत वर्ष इस अवधि तक 278.4 मिमी हुई थी।सिंगरौली में बंद रहे स्कूल, शहडोल के कई गांवों से संपर्क कटा

सिंगरौली में पिछले 24 घंटे में 180 मिमी (करीब साढ़े छह इंच) बारिश हुई है। जिला प्रशासन ने शनिवार को सभी स्कूलों में अवकाश घोषित कर दिया। डिंडौरी में भी भारी बारिश से नर्मदा सहित कई नदियां उफान पर आ गईं। डिंडौरी के बजाग़ और करंजिया जनपद क्षेत्र में 24 घंटे में 118 मिमी बारिश दर्ज की गई है।

शहडोल में खपरखुटा नदी में आई बाढ़ से कई गांवों का संपर्क टूट गया। बाढ़ से शहडोल-पंडरिया मार्ग भी बंद हो गया है। शहडोल के जैतपुर क्षेत्र के खपरखुटा नदी खतरे के निशान ऊपर बह रही है, जिससे आसपास के कई गांवों का संपर्क टूट गया है।

श्री खजराना गणेश मंदिर में 10 दिवसीय गणेश महोत्सव 27 अगस्त से - तैयारियां प्रारंभ

खजराना गणेश मंदिर के पूजन एवं अभिषेक के लिए की जायेगी ऑनलाइन व्यवस्था, ऐप और पोर्टल बनेगा

इंदौर। इंदौर के प्रसिद्ध श्री खजराना गणेश मंदिर में 10 दिवसीय गणेश महोत्सव गणेश चतुर्थी के दिन 27 अगस्त से प्रारंभ होगा। यह महोत्सव अनंत चतुर्दशी के दिन सम्पन्न होगा। महोत्सव के दौरान मंदिर में फूलों और विद्युत से आकर्षक सजावट की जायेगी। श्रृद्धालुओं के लिए अनेक विशेष सुविधाएं रहेंगी। मंदिर में महोत्सव के दौरान प्रतिदिन भजन-संध्या भी होगी। तीन दिन प्रमुख भजन गायकों के भजन करायें जायेंगे। भगवान श्री गणेशजी के समक्ष एक लाख 51 हजार मोदकों का भोग लगाया जायेगा। यह भोग श्रृद्धालुओं को वितरित होगा।

इस महोत्सव की व्यापक तैयारियां प्रारंभ हो गई है। कलेक्टर श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न श्री गणेश मंदिर खजराना की प्रबंध समिति की बैठक में तैयारियों की

समीक्षा की गई। बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा, अपर कलेक्टर श्रीमती निशा डामोर सहित संबंधित विभागों के अधिकारी, मंदिर के पुजारीगण और भक्त मंडल के सदस्य आदि मौजूद थे। बैठक में कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने निर्देश दिये कि श्रृद्धालुओं की सुविधाओं को प्रमुखता देते हुए सभी व्यवस्थाएं निर्धारित समय से पहले पूरी की जाये। श्रृद्धालुओं की सुविधाओं और सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाये। बैठक में बताया गया कि गणेश महोत्सव 27 अगस्त से प्रारंभ होगा। महोत्सव 27 अगस्त को सुबह ध्वजा पूजन के साथ प्रारंभ होगा। मंदिर में भगवान श्री गणेश का प्रतिदिन स्वर्ण आभूषणों आदि से विशेष श्रृंगार किया जायेगा। भगवान श्री गणेश को एक लाख 51 हजार मोदक का भोग लगाया जायेगा। अन्न क्षेत्र में 10 दिनों तक भोजन की विशेष व्यवस्था श्रृद्धालुओं के लिए रहेगी। श्रृद्धालुओं के लिए सहज और सुलभ रूप से दर्शन की व्यवस्था की जायेगी। मंदिर तक आने वाले मार्ग को एकागी किया जायेगा। पार्किंग की समुचित और पर्याप्त व्यवस्था उपलब्ध करायी जायेगी। श्रृद्धालुओं की सुविधा के लिए 4 बड़ी एलईडी स्क्रिनिंग भी मंदिर परिसर में लगायी जायेगी। साफ-सफाई पर भी विशेष ध्यान दिया जायेगा। सुरक्षा के माकूल प्रबंध भी किये जायेंगे। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने सभी व्यवस्थाओं की बिन्दुवार समीक्षा की। इस दौरान बताया गया कि श्रृद्धालुओं की सुविधा को देखते हुए ऑनलाइन पूजन एवं अभिषेक की व्यवस्था की जायेगी। इसके लिए मोबाइल ऐप और पोर्टल बनाया जायेगा।

सड़क सुरक्षा को लेकर इंदौर प्रशासन सख्त

इंदौर। इंदौर में सड़क सुरक्षा को लेकर कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देशन में लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी के तहत इंदौर में ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरूद्ध प्रदेश में अपनी तरह की पहली कार्रवाई की गई है। क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय द्वारा ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वाले 29 वाहनों के पंजीयन निरस्त कर दिये गए हैं।

उल्लेखनीय है कि कलेक्टर श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में विगत एक जुलाई 2025 को आयोजित इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम की समीक्षा बैठक में यातायात नियमों के उल्लंघन पर कठोर कार्रवाई का निर्णय लिया गया था। इसी क्रम में आज 29 ऐसे वाहनों का पंजीयन निरस्त कर दिया गया है, जो बार-बार नियमों का उल्लंघन कर आमजन की सुरक्षा के लिए खतरा बन चुके थे।

ITMS प्रणाली के अंतर्गत शहर में लगे कैमरों के माध्यम से पुलिस विभाग द्वारा तीन नवम्बर 2023 से लगातार ई-चालान जारी किए जा रहे हैं। पुलिस विभाग द्वारा उपलब्ध आंकड़ों के विश्लेषण में यह पाया गया कि कुछ वाहन स्वामी बार-बार रेड लाइट जम्प, ट्रिपल राइडिंग जैसे गंभीर उल्लंघन कर रहे हैं। ऐसे 31 रिपीटेड ट्रैफिक वायलेटर्स की पहचान इंदौर स्मार्ट सिटी डेवलपमेंट लिमिटेड द्वारा की गई और सूची आरटीओ कार्यालय को सौंपी गई। इन वाहन स्वामियों को नोटिस जारी कर अपना पक्ष रखने का अवसर दिया गया, किंतु 29 वाहन स्वामी निर्धारित समय सीमा में उपस्थित नहीं हुए। फलस्वरूप आज 25 जुलाई 2025 को केंद्रीय मोटरयान अधिनियम 1988 की धारा 55(3) के अंतर्गत उनके पंजीयन निरस्त कर दिए गए। शेष 2 प्रकरण अभी विचाराधीन हैं।

स्कूल शिक्षा विभाग का स्पोर्ट्स मैनेजमेंट सिस्टम

इंदौर। स्कूल शिक्षा विभाग ने एजुकेशन पोर्टल की तर्ज पर स्पोर्ट्स मैनेजमेंट सिस्टम तैयार किया है। डिजिटल प्लेटफार्म के माध्यम से विभाग की खेलकूद शाखा की गतिविधियों, प्रतियोगिता के आयोजन और उससे संबंधित पत्राचार को पेपरलेस कर दिया गया है। इस प्रकिया के चलते खेलों से जुड़ी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया गया है। शिक्षा विभाग के अंतर्गत मान्यता प्राप्त एमपी बोर्ड के विद्यालय, सीबीएसई के ऐसे स्कूल जो स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के और स्कूल शिक्षा विभाग के तत्वावधान में आयोजित विभिन्न खेलों की प्रतियोगिता में शामिल होना चाहते हैं वे इस पोर्टल पर निश्चित पंजीयन शुल्क के साथ आवश्यक अभिलेख अपलोड करते हुए पंजीयन करा सकते हैं। पंजीयन 14 से 19 वर्ष से कम आयु वर्ग की प्रतियोगिताओं के लिये एक ही बार कराना होगा। स्पोर्ट्स मैनेजमेंट सिस्टम में प्रति वर्ष आवश्यकतानुसार अपग्रेड किये जाने की सुविधा प्रदाय की गई है। विद्यालय में अध्ययनरत नियमित खिलाड़ियों की दर्ज संख्या के मान से क्रीड़ा शुल्क का संकलन इसी पोर्टल के माध्यम से किये जाने की सुविधा दी गई है जो स्वत- ही संचालनालय, संयुक्त संचालक, संभाग एवं जिला शिक्षा अधिकारी के खाते में शासन द्वारा निर्धारित प्रतिशत के अनुसार अंतरित हो जाता है।

सभी परीक्षा केन्द्रों पर पेयजल, विद्युत आपूर्ति, सुरक्षा गार्ड आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करें: संभागायुक्त

इंदौर। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की अध्यक्षता में मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा सहायक प्राध्यापक परीक्षा-2024 भाग-2 (अग्रांकित 09 विषय) एवं सहायक प्राध्यापक परीक्षा-2025 (वेद विषय हेतु) परीक्षा को लेकर संभागायुक्त कार्यालय में आज बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त श्रीमती सपना एम. लोवंशी, अपर कलेक्टर एवं परीक्षा नियंत्रक श्रीमती निधी सिंह राजपूत, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सहित परीक्षा केन्द्राध्यक्ष एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि परीक्षा शुरू होने के पहले संभागीय पर्यवेक्षक एवं विशेष पर्यवेक्षक समस्त केन्द्रों में परीक्षा पूर्व की तैयारियों का निरीक्षण करें। परीक्षा केन्द्रों एवं जिला कोषालय कलेक्टोरेट पर प्रात- 7 बजे से लेकर शाम 7 बजे तक सशस्त्र सुरक्षा गार्ड की व्यवस्था सुनिश्चित करें। कानून व्यवस्था की दृष्टि से सभी परीक्षा केन्द्रों पर पर्याप्त संख्या में पुलिसकर्मी/आरक्षक तैनात करें। सभी परीक्षा केन्द्रों पर समुचित स्वच्छता एवं पेयजल की व्यवस्था रखें।

स्वास्थ्य व्यवस्था हेतु पर्याप्त मात्रा में एम्बुलेंस एवं स्टाफ की व्यवस्था करें ताकि आकस्मिक स्थिति से निपटा जा सकें। सभी परीक्षा केन्द्रों पर पर्याप्त मात्रा में विद्युत आपूर्ति सहित जनरेटर, इनवेटर आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करें। सभी परीक्षा केन्द्रों की सम्पूर्ण व्यवस्था हेतु सहायक अधिकारियों की व्यवस्था करें। परीक्षा केन्द्र में प्रवेश के पूर्व परीक्षार्थियों से प्राप्त सामग्री को सुरक्षित रखने की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करें, इसके लिए अलग से कर्मचारियों की ड्यूटी लगायी जाये। बैठक में बताया गया कि सहायक प्राध्यापक परीक्षा-2024 भाग-2 (अग्रांकित 09 विषय) एवं सहायक प्राध्यापक परीक्षा-2025 (वेद विषय हेतु) परीक्षा के लिए उपायुक्त श्रीमती सपना एम. लोवंशी को प्रभारी परीक्षा अधिकारी नियुक्त किया गया है।

देश की पहली, लगातार दौड़ते हुए 1100 किमी का सफर 3 तीन दिन में तय करेंगे कावड़िए

इंदौर। स्वच्छता में लगातार 8 बार सिरमौर का रिकॉर्ड इंदौर के नाम होने के बाद अब भक्ति का अनोखा और अद्भुत समागम इंदौर में सीताराम भक्त मंडल के कावड़िए देश की अपनी तरह की अनोखी सीताराम सुपरफास्ट डाक कावड़ अयोध्या से 29 जुलाई जुलाई को शुरू होगी और 1 अगस्त को इंदौर पहुंचेगी, यह देश की इतनी दूरी तय करने वाली अपनी तरह की अनोखी कावड़ यात्रा रहेगी , कल शाम अरण्य धाम संत आश्रम से वाहनों के काफिले के साथ सैकड़ो सीताराम भक्त मंडल के

कार्यकर्ता श्रद्धालु व संत महात्मा रवाना होंगे इंदौर में 10 वर्षों से अनोखी अद्भुत सीताराम डाक कावड़ निकल जा रही है, जिसमें एक कावड़ को बारी-बारी से लेकर कांवडिए दौड़ते हैं, इस बार अयोध्या से 1100 किलोमीटर होते हुए इ नॉनस्टॉप सुपरफास्ट सीताराम डाक कावड़ तीन दिन में इंदौर पहुंचेगी, इसके लिए बड़े स्तर पर तैयारी भी शुरू हो चुकी है।

विधानसभा 5 के शासकीय स्कूलों में में सेवा दिवस के रूप में मना सत्यनारायण पटेल का जन्मदिन

इंदौर। पूर्व विधायक एवं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव श्री सत्यनारायण पटेल का 58वां जन्मदिन सेवा दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर विधानसभा 5 के शासकीय स्कूलों में जरूरतमंद बच्चों के बीच शैक्षणिक सामग्री का वितरण कर सेवा कार्य किया गया।

बिचौली मर्दाना स्थित शासकीय स्कूल में पार्षद सीमा सोलंकी, युवा इंका नेता चेतन सिंह चौधरी, समाजसेवी मदन परमालिया, नरेन्द्र सुर्यवंशी आदि ने पौधा रोपण कर 1100 से अधिक विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री वितरित की। इस तारतम्य में मालवा मिल स्थित शासकीय स्कूल, आंगनवाड़ी, स्वामी विवेकानंद स्कूल, पिपल्याहाना स्थित शासकीय स्कूल में धर्मेंद्र खंडेलवाल और हेमा मालिनी (मधु) के नेतृत्व में लगभग 200 बच्चों को कॉपियां, किताबें, पेन, पेंसिल, टॉफी और पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए पौधे वितरित किए गए। इसी कड़ी में तिलक नगर स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में भी बच्चों को ड्राइंग बुक्स, कलर व अन्य आवश्यक शैक्षणिक सामग्री दी गई। बेटमा स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में कॉपियों का वितरण कर वृक्षारोपण किया गया।

श्रीराम निराश्रित आश्रम में वृद्धजनों को भोजन भी कराया गया। इंदौर कैंसर हॉस्पिटल एवं बेटमा शासकीय अस्पताल में में फल-फरूट वितरित किए गए। एमवाय हास्पिटल में अख्तर नेता, राजीक खान, सैय्या नोशाद अली, सईद अंसारी आदि ने जरूरतमंद मरीजों को भोजन का वितरण किया। इस सेवा कार्य में मुख्य रूप से पार्षद आकाश कुशवाह, पूर्व पार्षद अशोक जारवाल, रुपेश लोधवाल, किशोर बाबा, जितेन्द्र वर्मा, सतीश राठौर, कपील जारवाल, जगदीश सतैया, विजय राठौर, राहुल अय्यर, डॉ. निमिश नांदेचा, जगदीश जोशी, मिथिलेष जोशी, बंटी कुमरावत, मनोज पाटीदार, तोपसिंह मालवी, राहुल पेरुलिया, पार्षद महादेव दायमा, शिव कुशवाह, गोलू खान, हिमांशु शर्मा, शैलेन्द्र यादव, मनोज पाटीदार, अंकित दुबे, प्रशांत तिवारी, अजय यादव, अंकुर दुबे, शाहबाज खान, अंश वर्मा, पप्पू कुमार आदि की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

संभागायुक्त के आदेश पर जांच के लिए जिलों में पहुँचे अधिकारी

इंदौर। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने संभाग के सभी छात्रवासों,आश्रमों और आवासीय परिसरों की सूक्ष्मता से जांच करने के आदेशों के बाद नियुक्त अधिकारी जिलो में पहुँचकर व्यवस्थाओं का आंकलन करने में जुट गये है। आदेश के अनुसार संयुक्त विकास आयुक्त श्री डीएस रणदा ने खरगोन जिले स्थित छात्रवासों, आश्रमों और आवासीय परिसरों का निरीक्षण बुधवार और गुरुवार को किया। दो दिनों में उन्होंने जिले के 24 छात्रावासों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जनजातीय कार्य विभाग, सर्व शिक्षा अभियान और पिछड़ा वर्ग के अंतर्गत आने वाले 24 छात्रावासों का निरीक्षण किया। संयुक्त विकास आयुक्त श्री रणदा ने जानकारी देते हुए बताया कि निरीक्षण के दौरान भोजन, आवास,

शौचालय, सफाई, बिस्तर, भवन की स्थिति और बिजली व्यवस्था के साथ ही भोजन की गुणवत्ता,बिजली की उपलब्धता तथा बिजली के अन्य उपकरण, बालिका छात्रवासों में सुरक्षा आदि महत्वपूर्ण बिंदुओं को परखा गया। साथ ही कई छात्रवासों में विद्यार्थियों से गोपनीय चर्चा भी की गई, जिसमें विद्यार्थियों ने अपनी समस्याएं खुलकर बताई है। श्री रणदा ने छात्र-छात्राओं से अलग से बातचीत कर भोजन की गुणवत्ता और अन्य समस्याओं की जानकारी ली।

इसके बाद तैयार की गई गोपनीय रिपोर्ट में आठ छात्रावास अधीक्षकों को कारण बताओ नोटिस और एक अधीक्षक को निलंबित करने अनुशंसा की है।

उन्होंने निरीक्षण के दौरान मिली खामियों को दूर करने के लिए त्वरित रूप से विभाग को निर्देशित किया है। निरीक्षण के दौरान विद्यार्थियों से मिले फीडबैक के बाद सीएमएचओ को छात्रों के नियमित स्वास्थ्य परीक्षण के आदेश भी दिए है।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृगधरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें।

मेला अधिकारी श्री सिंह के द्वारा सिंहस्थ-2028 महापर्व के अतंर्गत भीड़ प्रबंधन एवं यातायात व्यवस्था की समीक्षा बैठक की गई

उज्जैन । मेला अधिकारी श्री आशीष सिंह के द्वारा शनिवार को प्रशासनिक संकुल भवन के द्वितिय तल स्थित सभा कक्ष में आगामी सिंहस्थ महापर्व-2028 के अंतर्गत भीड़ प्रबंधन एवं यातायात व्यवस्था की समीक्षा की गई । बैठक में सिंहस्थ के अंतर्गत आवागमन के प्रमुख मार्ग इन्दौर रोड, देवास रोड, उन्हेल रोड़, बड़नगर रोड ,आगर रोड और मक्सी रोड पर अस्थाई पार्किंग स्थल बनाए जाने पर चर्चा की गई, साथ ही सिंहस्थ के लिए अस्थाई यातायात झोन, रेंज सेंटर, थाना बनाये जाने पर विचार विमर्श किया गया ।

मेला अधिकारी श्री सिंह ने सिंहस्थ के दौरान बाहर से आने वाले वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था के लिए एक निश्चित कार्य योजना बनाये जाने के निर्देश दिए । यातायात व्यवस्था को दो स्तर पर संचालित करने के निर्देश दिए।

घाटों पर भीड़ प्रबंधन के लिए वहा आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या और घाट पर होल्डींग केपेसिटी के लिए विस्तत कार्य योजना बनाये जाने के निर्देश दिए गये । प्रमुख घाटों पर पहुंचने के संकेतक विभिन्न स्थानों पर लगाये जाने के निर्देश दिए ।

बैठक में जानकारी दी गई की सिंहस्थ के दौरान भीड प्रबंधन, यातायात प्रबंधन और श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन के लिए सम्पूर्ण मेला क्षैत्र को विभिन्न प्रकार के जोन , रेंज , सेक?टर और थानों में बांटे जाने की योजना है । जिसमें 10 अस्थाई जोन, 20 अस्थाई रेंज, 40 अस्थाई सैक्टर, 80 अस्थाई थाने, 01 अस्थाई साइबर थाना और 10 अस्थाई साइबर हेल्प डेस्क बनाये जाने की कार्य योजना है ।

मेला क्षेत्र में पडने वाले महत्वपूर्ण संस्थान, मंदिर, अखाडे, कैम्प, घाटों के लिए सुरक्षा व्यवस्था की जायेगी । सुरक्षा की दृष्टी से ट्रैन, बस और निजी वाहनों की जांच की व्यवस्था की जायेगी । आपराधिक घटनाओं को रोकने के लिए स्वाट टीम, सर्विलांस टीम, साईबर टीम का गठन किया जायेगा । सामान्य दिनों और मुख्य पर्वों पर अलग-अलग यातायात व्यवस्था की जायेगी । श्रद्धालुओं को स्नान घाटों तक कम से कम चलना पडे इसके लिए प्रभावी पैदल यातायात व्यवस्था बनाई जायेगी । 80 से अधिक स्थानों पर वीएमएस बोर्ड लगाये जायेंगे, 2000 से अधिक साईन/डायरेक्शन बोर्ड लगाये जायेंगे ।

उज्जैन आवागमन के सभी 06 प्रमुख मार्गों पर अलग-अलग यातायात व्यवस्था की जायेगी । प्रत्येक मार्ग के लिए अलग-अलग पार्किंग स्थलों पर पार्किंग की व्यवस्था रहेगी ।

'रिद्धिमा' 9वां कैबिनेट संस्थापन समारोह आज एम आई टी परिसर देवास रोड उज्जैन में होगा संपन्न

उज्जैन। लायंस इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3233 जी2 वर्ष 2025-2026 का रिद्धिमा नवां कैबिनेट संस्थापन समारोह आज डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन प्रवीण वशिष्ठ के नेतृत्व पहली बार नए अंदाज में रविवार को एम आई टी परिसर, देवास रोड में संपन्न होगा।

कोऑर्डिनेटर पी.आर.ओ. मार्केटिंग लायन दीपक राजवानी ने बताया कि इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं संस्थापन अधिकारी लायन संजय खेतान पूर्व अंतर्राष्ट्रीय निदेशक नेपाल, विशिष्ट अतिथि लायन मनीष शाह मल्टीपल काउंसिल चेयरपर्सन एवं विशिष्ट अतिथि लायन कुलभूषण मित्तल जीएटी वाईस एरिया लीडर 2526 होंगे। कार्यक्रम के आधार स्तंभ एवं गरिमा प्रदान करेंगे एमजेएफ लायन प्रवीण वशिष्ठ डिस्ट्रिक्ट गवर्नर,

एमजेएफ लायन महेश मालवीय प्रथम वॉइस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर, पीएमजेएफ लायन पंकज मारु द्वितीय वाइस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर के साथ ही लायन सुशील पोरवाल डिस्ट्रिक्ट कैबिनेट सचिव एवं लायन संजीव गोयल डिस्ट्रिक्ट कैबिनेट कोषाध्यक्ष भी होंगे। कार्यक्रम में प्रातः 11 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक रजिस्ट्रेशन एवं भोजन, दोपहर 12.30 बजे से दोपहर 3.30 बजे तक ऐतिहासिक संस्थापन समारोह जिसमें डिस्ट्रिक्ट के सभी पदाधिकारी शपथ ग्रहण करेंगे तथा दोपहर 3:30 बजे हाई टी रहेगी। कैबिनेट सदस्यों का रजिस्ट्रेशन डिस्ट्रिक्ट द्वारा करवाया जाएगा। अन्य सदस्यों का रजिस्ट्रेशन शुल्क 1200 रहेगा। जिन क्लबो द्वारा 6 नए सदस्य बनाए गए हैं उनके पी एस टी का रजिस्ट्रेशन डिस्ट्रिक्ट द्वारा किया जाएगा। जिन क्लबों द्वारा नया क्लब बनाया गया है। उनके पीएसटी एवं एक्सटेंशन चेयरपर्सन का रजिस्ट्रेशन डिस्ट्रिक्ट द्वारा किया जाएगा। 1 जुलाई से अभी तक जितने भी क्लब प्रारंभ हुए हैं उनके पीएसटी का रजिस्ट्रेशन डिस्ट्रिक्ट द्वारा किया जाएगा। इस कार्यक्रम के आयोजक लायंस क्लब उज्जैन सिटी होंगे।

नवदिवसीय संगीतमय श्री देवी भागवत कथा ज्ञान यज्ञ प्रारंभ

उज्जैन। भागवत धर्म सेवा न्यास द्वारा संचालित श्री गजानन महाराज मंदिर, अशोक विहार कॉलोनी में 26 जुलाई से नवदिवसीय संगीतमय श्री देवी भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का प्रारंभ शाम को 5 बजे से हुआ।

यह कथा मराठी भाषा में बीड महाराष्ट्र से पधारे हरिभक्ति परायण प्रल्हाद महाराज केजकर के द्वारा सुनाई जा रही है। इसी के साथ प्रतिदिन संहिता वाचन वेदमूर्ति संदीप शर्मा, उज्जैन द्वारा किया जाएगा व वेदमूर्ति प्रसाद वेरुलकर द्वारा शतचंडी यज्ञ का अनुष्ठान भी किया जाएगा। 3 अगस्त रविवार को सुबह 9 से 12 के मध्य कथा व यज्ञ की पूर्णाहुति की जाएगी। इसके पश्चात पालकी शोभा यात्रा व प्रसाद वितरण किया जाएगा। न्यास के अध्यक्ष डॉ. मुकुंद गोखले व सचिव हर्षवर्धन गोरे ने समस्त धर्म प्रेमी जनता से अनुरोध किया कि कथा यज्ञ में उपस्थित होकर आयोजन को सफल बनाएं।

सिन्धी भाषा पर आधारित संगोष्ठी आज

उज्जैन। सिन्धू प्रवाह अकादमी द्वारा राष्ट्रीय सिन्धी भाषा विकास परिषद नई दिल्ली एवं सिन्धू जागृत समाज के सहयोग से आयोजित संगोष्ठी का आयोजन आज 27 जुलाई की शाम 5 बजे सिंधी धर्मशाला सिंधी कॉलोनी उज्जैन में होगा।

संगोष्ठी के मुख्य समन्वयक डॉ. सुनील खत्री ने बताया कि समाज में जागरूकता लाने के उद्देश्य से ÷सिन्धी समाज की वर्तमान स्थिति- भाषा, शिक्षा और संस्कार के संदर्भ में सामाजिक संस्थाओं की जिम्मेदारी÷ विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया है जिसमें विशेष रूप से मनोहर ममताणी पूर्व अध्यक्ष मानवाधिकार आयोग भोपाल विशेष रूप से जाति जनगणना पर अपना वक्तव्य देंगे। अन्य अतिथि विद्वानों के रूप में ईश्वर झामनानी वरिष्ठ समाजसेवी, मनीष देवनानी बोर्ड मेंबर राष्ट्रीय सिन्धी भाषा विकास परिषद नई दिल्ली, मनोज राजानी पूर्व अध्यक्ष विकास प्राधिकरण देवास, दौलत खेमचंदानी संरक्षक सिन्धू जागृत समाज, भिन्न-भिन्न समस्याओं पर जैसे परिवार विघटन, शिक्षा, कला एवं संस्कृति की स्थिति पर अपने वक्तव्य देंगे। संस्था अध्यक्ष कुमार किशन, कार्यक्रम के संयोजक महेश परियानी, गोपाल बलवानी, प्रताप रोहरा, महेश गंगवानी, डॉ पल्लवी किशन, पुष्पा कोटवानी, डॉ. मीना वाधवानी, राजकुमार परसवानी, रमेश गजरानी, विजय भागचंदानी ने सिन्धी समाज के जागरूक सदस्यों कार्यक्रम में भाग लेने का आह्वान किया है।

बरसते पानी में उज्जैन की बदहाली के खिलाफ कांग्रेसियों ने किया प्रदर्शन

उज्जैन। उज्जैन शहर बदहाल है, सड़कें जर्जर, बिगड़ती कानून व्यवस्था, पीने का पानी नहीं, जो पानी मिल रहा वह भी गंदा, आये दिन चोरी, लूटपाट की घटना, हत्या, बलात्कार, शहर में ट्राफिक व्यवस्था ध्वस्त, जगह-जगह चक्काजाम, मुख्यमंत्री का गृहनगर होने के बावजूद आमजन को मुलभूत सुविधाएं नहीं मिल पा रही। ऐसे बदहाल उज्जैन में फैल साबित हो रही भाजपा की ट्रिपल इंजन सरकार के विरोध में शहर और जिला कांग्रेस के संयुक्त तत्वावधान में गोपाल मंदिर पर धरना दिया गया। धरने में कांग्रेस नेताओ ने शहर की मूलभूत समस्याओं को पुरजोर तरीके से उठाया।

शहर (जिला) कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मुकेश भाटी के नेतृत्व में बरसते पानी में कांग्रेसियों ने धरना दिया। धरने में प्रमुख रूप से कमल पटेल, डॉ बटुक शंकर जोशी, मनोहर बैरागी, रवि राय नेता प्रतिपक्ष, अजीत सिंह ठाकुर सहित अन्य नेताओ ने बिगड़ी कानून व्यवस्था, गंदे पानी की सप्लाई, बिजली के भारी भरकम बिल को प्रमुख रूप से उठाया और उन्हें हल करने की मांग की। मुकेश भाटी ने कहा उज्जैन सहित पूरे मध्यप्रदेश में खाद की उपलब्धता में कमी के कारण कृषक काफी परेशानी हैं। नशे के बढ़ते कारोबार के कारण युवाओं में नशे की लत दिनों दिन बढ़ती जा रहीं हैं, नशे के कारण उज्जैन सहित प्रदेश में असामाजिक घटनाए घटित हो रहीं हैं। सडको की हालत जर्जर है, सड़के खराब होने के कारण आये दिन दुर्घटनाएं घटित हो रहीं हैं, सडकों पर हो रहें बड़े-बड़े गड्ढो के कारण बारिश का पानी भर जाने से आवागमन में काफी परेशानीयो का सामना करना पड़ रहा है।

मंहगी बिजली होने के बाद भी रहवासियों को पर्याप्त मात्रा में बिजली उपलब्ध नहीं हो पाती हैं, बार-बार बिजली के गुल होने से लोगों में काफी आक्रोश व्याप्त हैं। नर्मदा को उज्जैन लाने के नाम पर करोड़ों खर्च करने के बावजूद जनता को पर्याप्त मात्रा में पानी उपलब्ध नहीं हो रहा हैं। जो पेयजल उपलब्ध हो रहा हैं वह भी गन्दे पानी के रूप में सप्लाय हो रहा है। नगर निगम के संपत्तिकर में जो वृद्धी की गई हैं उसे वापस लिये जाने की भी मांग की गई। उज्जैन शहर अंतर्गत गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारो के गरीबी रेखा के राशन कार्ड बनाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया हैं, उसे पुनः चालू किया जावें। संगठन मंत्री अजय राठौर ने बताया कि इस अवसर पर अशोक सारवान, सुनील कछवाय, अभीषेक शर्मा, विरेन्द्र गोसर, श्रवण शर्मा, मुजीब सुपारी, रमेश परिहार, सतीश मरमट, सोनिया ठाकुर, सपना सांखला, प्रेम लता रामी, अर्पित दुबे, मोहित जयसवाल, जाहिद पहलवान, छोटेलाल मंडलोई, राजेंद्र राठौर, ओमप्रकाश रामी, उत्तम जयसवाल, श्याम जटिया, नीलम विश्वास, रश्मि त्रिवेदी, आनद मीणा, प्रकाश सोलंकी, चुन्नी लाल धैर्य, श्याम जटिया, परमानंद मालवीय, संजय आंजना, बलराम पटेल, अर्पित यादव, संचित शर्मा, अर्पण राठौर, मनीष गोमे, सत्यनारायण राठौर, असलम चूड़ी वाले, दीपेश जैन, बबलू खींची, आनंद मीणा, वरूण शर्मा, फूल चंद जडिया, ललित मीणा, लकी ठाकुर आदि।

कारगिल विजय दिवस की 26वी वर्षगांठ पर सर सैयद अहमद वेलफेयर सोसाइटी ने अर्पित की श्रध्दांजलि

उज्जैन। कारगिल विजय दिवस की 26वी वर्षगांठ पर सर सैयद अहमद वेलफेयर सोसाइटी द्वारा देश की रक्षा करते हुए शहीद हुए वीर जवानों के स्मारक पर पुष्प वर्षा कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

सर सैयद अहमद वेलफेयर सोसाइटी के संरक्षक सैयद अबीद अली मीर एवं सचिव धर्मेंद्र राठौर ने बताया कि कारगिल विजय दिवस की 26वीं वर्षगांठ पर सर सैयद अहमद वेलफेयर सोसाइटी द्वारा कारगिल विजय दिवस स्मारक पर देश की रक्षा करते हुए शहीद हुए वीर जवानों के स्मारक पर पुष्प वर्षा एवं शहीदों का स्मरण किया गया। समाजसेवी इकबाल उस्मानी ने अपने उद्बोधन में कहा आज ही के दिन पाकिस्तान ने अपनी नापाक कोशिश कर कारगिल पर कब्जा करने की कोशिश की जिसे देश के वीर जवानों ने नाकाम कर दिया और कारगिल पर विजय हासिल कर दोबारा देश का झंडा लहराया। देश के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले वीरों को इंद्र देवता भी मेघ बरसा कर श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे थे। शहर के ख्यात नाम गायक हरीश तिवारी ने 'कर चले हम फिदा जानो तन साथियों' अब तुम्हारे हवाले वतन साथियों' गीत प्रस्तुत कर शहीदों को गीतांजलि अर्पित की। इस अवसर पर रफी शोध संस्थान के डायरेक्टर डॉ. तेज कुमार मालवीय, शाकिर शेख, उप संयोजक सैयद उस्मान हसन, महाकाल शयन आरती के वरिष्ठ सदस्य चेतन ठक्कर, अध्यक्ष पंकज जायसवाल, जाहिद नूर एडवोकेट, शिक्षाविद कमर अली, सादिक मंसूरी, आबिद खान आदि।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com